+91 7014373732
खबरों और विज्ञापन हेतु संपर्क करें
marudharnews.com
info@marudharnews.com
हिन्दुस्तान की नई आवाज

मरुधर हिन्द

CIN NO.- U74999RJ2020PTC067985
UN NO.- RJ02D0022186
मरुधर हिन्द अब एक नए अंदाज में

वर्ष : 03 | अंक : 171 | जयपुर, सोमवार 25 जून 2022 | कुल पेज : 6

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नीरज को सिल्वर

यह मुकाम हासिल करने वाले चोपड़ा पहले भारतीय, 19 साल बाद देश को मिला मेडल

यूजीन। भारत के जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने अमेरिका के यूजीन में 18वीं वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता है। उन्होंने 88.13 मीटर भाला फेंक कर यह मेडल हासिल किया। गोल्ड ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने जीता उन्होंने 90.46 मीटर भाला फेंका। इसी इवेंट में भारत के रोहित यादव भी थे। वे 78.72 मीटर भाला फेंककर 10वीं पोजिशन पर रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई- नीरज चोपड़ा द्वारा इतिहास रचने के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, हमारे सबसे प्रतिष्ठित एथलीटों में से एक नीरज द्वारा एक और बड़ी उपलब्धि के लिए उनको बहुत बधाई। यह भारतीय खेलों के लिए एक विशेष क्षण है। नीरज को उनके आगामी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

नीरज चोपड़ा ने चौथी कोशिश में 88.13 मीटर लंबा थ्रो किया। वहीं, ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने अपने आखिरी थ्रो में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 90.54 मीटर दूर भाला फेंका। चेक रिपब्लिक के जैकब वादले

राजस्थान में नकली नोट की फैक्ट्री में मिली 2.74 करोड़ फर्जी करंसी

घर में हो रही थी 2000-500 के नोटों प्रिंटिंग, करोड़ों बाजार में उतारे

बीकानेर। बीकानेर के वृंदावन एन्क्लेव के एक मकान में पिछले एक साल से नकली नोट छापने की मशीन लगी थी। पुलिस ने यहां से 2 करोड़ 74 लाख रुपए के नकली नोट बरामद किए हैं। वहीं, कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का दावा है कि पिछले एक साल में बेहिसाब नकली नोट छापकर हवाला व्यापारियों के माध्यम से देशभर के बाजारों में उतारे जा चुके हैं।

पुलिस ने बताया कि लूणकरनसर के दो सिपाहियों को करीब एक महीने ग्राम पंचायतों में मीटिंग के दौरान सूचना मिली थी कि नकली नोट छापने का काम हो रहा है। सिपाहियों की सूचना आईजी ओमप्रकाश पासवान तक पहुंची। जहां से छानबीन शुरू हो गई। करीब एक से डेढ़ महीने तक पुलिस कार्रवाई का प्रयास करती रही। शनिवार शाम को पुलिस ने वृंदावन एन्क्लेव के मकान संख्या 670 पर छापा मारकर वहां से रविकांत जाखड़, नरेंद्र शर्मा उर्फ विक्की और मालचंद शर्मा को गिरफ्तार किया। मकान में रखे 2 करोड़ 74 लाख रुपए भी पुलिस ने जब्त कर लिए। पुलिस कार्रवाई से पहले चंपालाल शर्मा उर्फ नवीन सारस्वत, पूनमचंद शर्मा और राकेश सारस्वत मौके से निकल गए। जिन्हें नोखा के पास गिरफ्तार कर लिया गया। ये लोग बैंक चैक के बदले नकली नोट

देशभर में पहुंचे नकली नोट

बीकानेर में छापे गए ये नोट राजस्थान के अलावा नई दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, पुणे, चैन्नई, बैंगलोर, पटना, गुवाहटी, शिलॉन्ग, लुधियाना, चंडीगढ़, सूरत, अहमदाबाद, वृंदावन, बनारस, गाजियाबाद में हवाला व्यापारियों के माध्यम से नकली नोट पहुंचाए हैं। इन शहरों में कितने रुपए पहुंचे, इसका हिसाब अब तक नहीं मिल पाया है।

पहले भी नकली नोटों में लिप्त रहे आरोपी

इस पूरे गिरोह का सरगना चंपालाल शर्मा उर्फ नवीन बताया जा रहा है। नोटबंदी के दौरान नवीन से पांच करोड़ दस लाख रुपए बरामद हुए थे। जिसका मामला बीछवाल थाने (बीकानेर) में दर्ज है। चंपालाल के भाई विशाल की मंडी में आढ़त की दुकान है। विक्की उर्फ नरेंद्र शर्मा के खिलाफ 2019 में पालनपुर पश्चिम गुजरात में मामला दर्ज है। तब उसने 43 लाख रुपए के नकली नोट छापे थे। वो इस मामले में गुजरात जेल में रह चुका है और 27 जुलाई को ही उसकी पेशी होने वाली है।

हरियाणा पुलिस भी सक्रिय

नकली नोट लेकर हवाला व्यापारियों को देने का काम दीपक रैगर के माध्यम से होता था। चंपालाल शर्मा की गैंग का एक सदस्य दिल्ली नोट सप्लाई करने के लिए होटल में रुके हुए थे लेकिन कार्रवाई की भनक लगने पर वो फरार हो गए। इस पर बीकानेर आईजी ने हरियाणा के करनाल में पुलिस आईजी को सूचना दी है। यहां दीपक रैगर की गिरफ्तारी के प्रयास हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि उसे भी हिरासत में लिया गया है। जल्द ही बीकानेर पुलिस उसे लेकर आएगी।

इस सीरिज के फर्जी नोट बाजार में- व्यापारी लोग हवाला से लेन-देन करने की बजाय वैधानिक तरीके से लेनदेन करे, आम जन किसी अनजान व्यक्ति से लेनदेन करते वक्त नोटो को ध्यान से चैक करें, अन्धेरे में नकदी का लेनदेन करने

छोटी-बड़ी खबरे...

राजस्थान यूनिवर्सिटी में 30 जुलाई तक होंगे एडमिशन

4 अगस्त को जारी होगी फर्स्ट कट ऑफ लिस्ट, सीबीएससी स्टूडेंट्स के लिए तीसरी बार बढ़ी एडमिशन की तारीख

जयपुर। CBSE 12th का रिजल्ट जारी होने के बाद राजस्थान यूनिवर्सिटी ने एडमिशन की तारीख को 7 दिन आगे बढ़ा दिया है। ऐसे में अब राजस्थान यूनिवर्सिटी और उससे जुड़े चार संघटक कॉलेजों में अंडर ग्रेजुएशन कोर्सेज के लिए स्टूडेंट्स 30 जुलाई तक एडमिशन के लिए अप्लाई कर सकेंगे। वहीं पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्सेज के लिए स्टूडेंटन्स 24 जुलाई की जगह अब 27 जुलाई तक अप्लाई कर सकेंगे। दरअसल, राजस्थान यूनिवर्सिटी में 24 जून से अंडर ग्रेजुएशन कोर्सेज में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू की गई थी। जिसके तहत स्टूडेंट्स महारानी कॉलेज, महाराजा कॉलेज, कॉमर्स कॉलेज और राजस्थान कॉलेज में बीए, बीकॉम, बीएससी पासकोर्स/ ऑनर्स कोर्स के साथ ही सर्टिफिकेट कोर्स/ डिप्लोमा, बीसीए, बीबीए, बीपीए में एडमिशन के लिए अप्लाई कर सकते थे। लेकिन CBSE रिजल्ट में देरी की वजह से अब तक सिर्फ RBSE के स्टूडेंट्स ही एडमिशन के लिए अप्लाई कर पाए थे। ऐसे में अब यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा तीसरी बार CBSE के स्टूडेंट्स को राहत दी गई है। यूनिवर्सिटी की प्रवेश समिति के संयोजक प्रो. एसएल शर्मा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की लास्ट डेट 23 जुलाई ही निर्धारित की गई थी। लेकिन CBSE बोर्ड के स्टूडेंट्स को एडमिशन के लिए वक्त मिल सके। इसलिए अब एडमिशन की लास्ट डेट को 30 जुलाई तक बढ़ाया गया है। शर्मा ने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय के सभी संघटक महाविद्यालयों में 4 अगस्त को पहली प्रवेश सूची जारी की जाएगी।

इनकम टैक्स विंग को 57 करोड़ सरेंडर

आईटी की महा रेड; 300 अफसर 4 दिन जुटे, 9 करोड़ की नकदी-सोना पकड़ा

अलवर। दौसा, भरतपुर, धौलपुर, भिवाड़ी, नीमराणा सहित कई जिले वाले अलवर रीजन में इनकम टैक्स की सबसे बड़ी रेड अलवर शहर में 4 दिन चली। इनकम टैक्स ने मामा फूड कंपनी के यहां 57 करोड़ 57 लाख रुपए की अघोषित आय पकड़ी। जिसमें 4 करोड़ 25 लाख नकद, 4 करोड़ 35 लाख रुपए का सोना, बेनामी सम्पति शामिल है। जिसका पूरा एनालिसिस होने के बाद इनकम टैक्स जमा होगा। जानकारों का मानना है इस रेड में मिली अघोषित आय से फर्म को करीब 30 से 40 करोड़ रुपए बतौर इनकम टैक्स जमा कराने होंगे। यह रेड़ 20 जुलाई को शुरू हुई और 23 जुलाई की देर शाम को खत्म हुई है। अब आईटी की अलवर विंग आगे दस्तावेजों की जांच पूरी करेगी।

20 जुलाई को सुबह करीब साढ़े 6 बजे अलवर शहर में मामा गुटखा नाम से प्रसिद्ध फर्म के यहां दिल्ली से एक साथ 50 गाड़ियां अलवर पहुंचीं।

चार बांध ओवर-फ्लो, बीसलपुर डैम में आया 20 दिन का पानी

जयपुर।

राजस्थान में जुलाई महीने में ही बांध-तालाब छलकने लगे हैं। कोटा बैराज, कालीसिंध, भीमसागर, गुढा डैम को जलस्तर बढ़ने पर गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। इधर, जयपुर सहित 5 जिलों की प्यास बुझाने वाले बीसलपुर डैम में पिछले 24 घंटे के दौरान 40 सेमी. तक पानी आया। मौसम केन्द्र जयपुर और जल संसाधन विभाग के मुताबक पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बरसात टोंक के बीसलपुर बांध पर 172 एमएम दर्ज हुई। टोंक के अलावा अजमेर, बांसवाड़ा, बाड़मेर, बूंदी, झालावाड़, जोधपुर, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, उदयपुर और नागौर में भी अच्छी बारिश हुई। इन जिलों के कई एरिया में 60 एमएम से ज्यादा बरसात हुई। इधर, पूर्वी राजस्थान के झालावाड़, बूंदी में अच्छी बारिश के बाद बांध, तालाब और नदियां ओवरफ्लो होकर बहने लगी। भीमसागर के 3 गेट खोलकर 8248 क्यूसेक, कालीसिंध के 2 गेट खोलकर 15,595 क्यूसेक, गुढा डैम के 2 गेट से 5507 और कोटा बैराज के 2 गेट से 14 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा जा रहा है। बारिश के बाद भले ही बनास नदी अब भी बह नहीं रही हो, लेकिन बीसलपुर बांध के डाउन स्ट्रीम एरिया में अच्छी बारिश से बांध का गेज धीरे-धीरे बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान बीसलपुर बांध पर 172 एमएम बारिश हुई, जिसके बाद बांध का गेज 309.22 से बढ़कर 309.62 आरएल मीटर तक पहुंच गया।

वर्तमान में बांध से हर रोज जितना पानी ले रहे हैं, उससे गेज 2 सेमी. कम हो रहा है। इस हिसाब से बांध में जयपुर-अजमेर के लिए 20 दिन का पानी आ गया है।

अब आगे क्या?

जयपुर मौसम केन्द्र ने आज उदयपुर, सवाई माधोपुर और बारां, जबकि 25 जुलाई को उदयपुर, झालावाड़ और डूंगरपुर जिले में कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना जताते हुए इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 25, 26 और 27 जुलाई को अजमेर, अलवर, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद, सवाई माधोपुर, टोंक,पाली, जालोर और बाड़मेर जिलों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना जताई है। बूंदी में हो रही लगातार बारिश के बाद वहां बने बांध और झरने छलकने लगे, जिसका लुफ्त उठाने के लिए लोग वहां पहुंचे। तेज बारिश के चलते बूंदी की तालेड़ा नदी में उफान आ गया और अकतासा पुलिया पर सैलाब में एक युवक फंस गया, जिसे पुलिस-ग्रामीणों ने बचाया। इधर, भीमलत में झरना बहने लगा। बरधा बांध इस सीजन में दूसरी बार ओवरफ्लो होकर बहने लगा।

गहलोत बोले- राजे डर गई या हाईकमान का डंडा पड़ा

राष्ट्रपति चुनाव में हमारे 8-10 वोट बाहर जा सकते थे, पर दो ही गए

जयपुर।

ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट और संत विजयदास के आत्मदाह को लेकर सीएम अशोक गहलोत ने बीजेपी और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे पर निशाना साधा है। गहलोत ने कहा- ERCP पर होने वाली सर्वदलीय बैठक में वसुंधरा राजे आ रही थीं, लेकिन आज मैसेज आया कि वे नहीं आ रहीं। हम इस पर रिसर्च कर रहे हैं कि कि ऐसा क्या कारण रहा कि कल तो वे सर्वदलीय बैठक जॉइन करने की बात कह रही थीं। आज नहीं आ रहीं। आज राजे के नहीं आने का कारण समझ नहीं आ रहा।

वसुंधरा राजे डर गई होंगी या हाईकमान का डंडा पड़ा होगा। उधर, राष्ट्रपति चुनाव पर गहलोत ने कहा- हार जीत की बात नहीं, विचारधारा की लड़ाई थी। हमें मालूम था कौन बनेगा। मुझे उम्मीद थी कि आठ से 10 वोट बाहर जाएंगे। हमारे विधायक एकजुट रहे। दो ही बाहर गए।

रविवार को टोंक रोड स्थित होटल मैरियट में आयोजित दैनिक भास्कर के प्राइड ऑफ राजस्थान अवार्ड समारोह के बाद गहलोत ने मीडियाकर्मियों से बात की। उन्होंने कहा- वसुंधरा राजे के कार्यकाल में ERCP शुरू हुई। वे इसके बारे में सब कुछ जानती हैं। सर्वदलीय बैठक में राजे आतीं तो हम सब मिलकर मंथन करते। इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने पर दबाव बनाते।

खनन को लेकर संत के आत्मदाह के मामले में गहलोत ने कहा- धर्म का नाम आते ही बीजेपी वाले चैंपियन बन जाते हैं। संत विजयदास का आत्मदाह बहुत दुखद है। इसकी जांच करा रहे हैं। जेपी नड्डा ने कमेटी बना दी। कह रहे हैं अवैध खनन। इन्हें पता नहीं है कि जो पहाड़ है, वहां कई साल से लीगल माइनिंग हो रही है। वहां से बीजेपी राज में और पहले हमने भी खानों को शिफ्ट किया था।

आत्मदाह से लेना-देना नहीं

गहलोत ने कहा- सरकार ने अवैध खनन के खिलाफ जो अभियान चलाया है, उसका संत विजयदास के आत्मदाह और संतों के आंदोलन से कोई लेना-देना नहीं है। इस घटना से अभियान का संबंध नहीं जोड़ा जाना चाहिए। यह तो संयोग ऐसा रहा कि हमारी मीटिंग और घटना की टाइमिंग ऐसी हो गई कि अटकलें लगाई जाने लगीं। वहां सब लीगल माइंस हैं।

विचारधारा की लड़ाई

मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा- विधायकों ने जो साथ दिया है, उसे हम भूल नहीं सकते। विधायक चाहे निर्दलीय हों या सीपीएम, बीएसपी और बीटीपी के। उन्होंने जिस तरह साथ दिया है, उसे भुला नहीं सकते। अब टेस्ट हो चुका है। राज्यसभा चुनाव में 126 वोट पड़े। अभी राष्ट्रपति चुनाव हुआ। हमारे दो विधायक बीमार थे। हमारे दो वोट बाहर चले गए। हमें आशंका थी कि ज्यादा वोट दूसरी तरफ जाएंगे, क्योंकि वह मुद्दा ही ऐसा था। राष्ट्रपति चुनाव में हार-जीत की बात नहीं, विचारधारा की लड़ाई थी। हमें मालूम था कौन बनेगा। हमारे दो ही वोट बाहर गए।

दैनिक भास्कर की ओर से आयोजित 'प्राइड ऑफ राजस्थान' अवॉर्ड कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से चर्चा करते भास्कर समूह के डिप्टी एमडी पवन अग्रवाल। साथ में, दैनिक भास्कर समूह के डायरेक्टर भरत अग्रवाल, नेशनल एडिटर एलपी पंत, राजस्थान ष्टश्वह्र वारीश तिवारी।

जनता माई-बाप होती है

गहलोत ने कहा- इस बार हम चाहते हैं कि सरकार रिपीट हो। हमने किसी क्षेत्र में कमी नहीं रखी। सरकार रिपीट करने के फायदे हैं। हमारी सरकार रिपीट हो जाती तो रिफाइनरी का 38 हजार करोड़ का प्रोजेक्ट आज 70 हजार करोड़ का नहीं होता। हम इस बार अपने काम के हिसाब से सरकार के रिपीट होने की उम्मीद करते हैं। बाकी जनता माई-बाप होती है। हम बार-बार जनता में सरकार रिपीट करने की अपील करेंगे। इस बार हम काम को आधार बनाएंगे।

देश में मंकीपॉक्स के 4 केस

केरल के बाद दिल्ली में भी मिला मरीज, पर उसकी कोई इंटरनेशनल ट्रैवल हिस्ट्री नहीं

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के बाद अब मंकीपॉक्स का खतरा शुरू हो गया है। केरल के बाद अब राजधानी दिल्ली में मंकीपॉक्स का नया केस मिला है। केरल में अब तक 3 नए केस आ चुके हैं। स्वास्थ्य महकमा जांच में जुट गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में जो मरीज मंकीपॉक्स से संक्रमित हुआ है, उसकी कोई विदेशी ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, मरीज की उम्र करीब 31 वर्ष है और उसे मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। इधर, सरकार ने मंकीपॉक्स की जांच के लिए 16 लैब को मंजूरी दी है, इनमें 2 केरल में हैं।

Monkeypo&meter.com के डेटा के मुताबिक, भारत समेत 80 देशों में 16,886 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। इनमें से यूरोप में सबसे ज्यादा 11,985 लोग मंकीपॉक्स की चपेट में आए हैं। वहीं, बीमारी से ग्रस्त टॉप 10 देशों में ब्रिटेन, स्पेन, अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, पुर्तगाल, कनाडा, नीदरलैंड्स, इटली और बेल्जियम शामिल हैं। मंकीपॉक्स से इस साल तीन लोगों की मौत हो चुकी है। WHO ने मंकीपॉक्स को लेकर पूरी दुनिया में हेल्थ इमरजेंसी घोषित की है। WHO ने कहा कि ये बीमारी मरीज से स्किन टु स्किन कॉन्टैक्ट करने से या फिर उसे खाना खिलाने से भी संक्रमण फैलता है। इसके अलावा संक्रमित व्यक्ति के कपड़े, बर्तन और बिस्तर छूने से भी मंकीपॉक्स फैल सकता है। इधर, अमेरिका में पहली

शिक्षक घोटाले में ममता के मंत्री की एक और करीबी

बीजेपी बोली- मोनालिसा दास के पास 10 फ्लैट, जांच हो; ईडी करेगी पूछताछ

कोलकाता। शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में गिरफ्तार ममता बनर्जी सरकार में उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी के घर से शुक्रवार को 21 करोड़ रुपए कैश बरामद हुए थे। अर्पिता अभी ईडी की हिरासत में है। इधर, भाजपा ने दावा किया है कि पार्थ चटर्जी की एक और करीबी मोनालिसा दास भी इस घोटाले में शामिल है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने दावा किया है कि मोनालिसा दास एक टीचर हैं, जो पार्थ की करीबी हैं। दास के पास 10 फ्लैट हैं, जिसकी जांच होनी चाहिए। वहीं मोनालिसा ने इन सभी आरोपों को खारिज किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईडी जल्द ही इस केस में मोनालिसा से भी पूछताछ कर सकती है। ईडी ने पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी के बाद कोलकाता हाईकोर्ट का रुख किया है। जांच एजेंसी का कहना है कि पूछताछ के लिए हिरासत में देने के बजाय निचली अदालत ने उन्हें अस्पताल में भेज दिया। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि पार्थ चटर्जी के खिलाफ आरोप राजनीतिक हैं। जब तक कोर्ट में दोष साबित नहीं हो जाता है, तब तक वे इस्तीफा नहीं देंगे। पार्थ मंत्री के साथ-साथ तृणमूल के प्रदेश महासचिव भी हैं। ईडी ने अर्पिता मुखर्जी को कोलकाता की बंशकाल कोर्ट में पेश किया है। यहां पर ईडी पूछताछ के लिए कस्टडी की मांग करेगी।

भारत को उकसा रहा चीन, एलएसी के करीब फिर उड़ान भर रहे हैं चीनी लड़ाकू विमान

नई दिल्ली। एक तरफ चीनी सेना पूर्वी क्षेत्र लद्दाख में तनाव को कम करने के लिए भारतीय सेना के साथ बातचीत कर रही है तो वहीं दूसरी ओर, चीनी वायु सेना पूर्वी लद्दाख सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा के बहुत करीब से उड़ान भर रही है. शीर्ष सरकारी सूत्रों ने आजतक को बताया कि चीनी वायु सेना के लड़ाकू विमान पूर्वी लद्दाख सेक्टर में एलएसी के बहुत करीब उड़ान भर रहे हैं. सूत्रों ने बताया कि चीनी गतिविधि पर भारतीय वायुसेना बारीकी से नजर रख रही है. चीनी लड़ाकू विमानों से किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए भारतीय सेना की ओर से पूरी तैनाती और तैयारी की गई है. उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच कोर कमांडर स्तर पर 16 दौर की शांति वार्ता के बाद भी चीनी वायु सेना द्वारा उकसावे की कार्रवाई जारी है.

शीर्ष सरकारी सूत्रों ने बताया कि चीनी वायु सेना की ओर से हवाई गतिविधि का दुस्साहस पिछले महीने शुरू हुआ था. जून के अंतिम सप्ताह में चीनी विमान पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारतीय चौकियों के बहुत करीब आ गए थे.

अर्रूवा गांव में आरबीआई एवं क्रिसिल फाउंडेशन के तत्वाधान में वित्तीय साक्षरता कैंप हुआ आयोजित

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। उपखंड के गांव अर्रूवा में भारतीय रिजर्व बैंक व क्रिसिल फाउंडेशन के तत्वधान में गांव में रविवार को वित्तीय साक्षरता कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 148 लोगों ने भाग लिया। कठूमर उपखंड क्षेत्र की फील्ड ऑफिसर प्रिया चौधरी ने लोगों को डिजिटल बैंकिंग व प्रधानमंत्री

सुरक्षा बीमा योजना,प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना व अन्य बैंकिंग योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी । वही सेंटर मैनेजर नवीन कुमार शर्मा ने बताया कि अलवर जिले के 6 ब्लॉक में भारतीय रिजर्व बैंक व क्रिसिल फाउंडेशन के द्वारा सीएफएल प्रोग्राम चलाया जा रहा है। फील्ड ऑफिसर प्रिया चौधरी,सेंटर मैनेजर नवीन कुमार शर्मा एवं रेनी फील्ड ऑफिसर मान सिंह कोली, पंजाब नेशनल बैंक के ब्रांच मैनेजर विष्णु चौधरी एवं और क्षेत्रीय ग्रामीण बडौदा बैंक के ब्रांच मैनेजर देशराज सिंह चौधरी,डाटा एंट्री ऑपरेटर लालचंद मीणा की मौजूदगी में यह कैंप आयोजित किया गया इस मौके पर सरपंच सीमा देवी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता,पुष्पा देवी, ममता, एवं वार्डपंच मोहनदेई सहित अनेकों ग्रामीण मौजूद रहे ।

खेरली अग्रवाल समाज में मंत्री पद पर हुए चुनाव में विष्णु कंसल हुए विजयी

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। खेरली अग्रवाल समाज में मंत्री पद हुए चुनाव में विष्णु कंसल विजई हुए। जानकारी के अनुसार अग्रवाल समाज की 2022 2024 कार्यकारिणी के लिए मंत्री पद पर आज मतपत्र के द्वारा चुनाव किया गया। जिसमे कुल 629 वोट डाले गए उनमें से 2 वोट रिजेक्ट माने गए कुल 627 वोटों में से 417 वोट विष्णु कंसल को मिले 207 वोट से विष्णु कंसल को विजयी घोषित किया गया। जिन्हे निर्वाचन अधिकारी द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर समाज के सभी अग्रबंधु मौजूद रहे।

धूमधाम से कार्यकर्त्ताओं के साथ मनाया गया भाजपा नेता शकील खान का जन्मदिन

मरुधर हिंद /आमिर खान कामां

कामां - कामा विधानसभा से भाजपा नेता शकील खान का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया भाजपा नेता शकील खान ने अपने जन्मदिन के अवसर पर कामा विधानसभा के चिकित्सालयों में मरीजों को फल वितरण किए साथ ही भाजपा नेता शकील खान ने अपने सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया जहाँ भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। भाजपा नेता शकील खान के निजी सचिव कृष्णा पमार ने बताया आज भाजपा नेता शकील खान का जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ उनके कोसी रोड स्थित निवास एवं कार्यालय पर कार्यकर्त्ताओं के साथ मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर कामा के राजकीय अस्पताल एवं पहाड़ी के राजकीय अस्पताल में मरीजों को फल वितरण किए गए एवं मरीजों की कुशलक्षेम जानी। साथ ही कार्यालय पर भाजपा कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया इस मौके पर भाजपा नेता शकील खान कामां के संघर्षशील एवं कर्मठ सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संत विजयदास की मौत के लिए लालफीताशाही जिम्मेदार--मथुरा वृंदावन के पूर्व कांग्रेसी विधायक प्रदीप माथुर

मरुधर हिंद

आमिर खान कामा। कामां- पर्वतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले संत विजय दास के बरसाना स्थित माताजी गौशाला में अंतिम संस्कार के दौरान आदि बद्री व कनकांचल पर्वतों की रक्षा के लिए आंदोलन कर रहे संतो के प्रतिनिधिमंडल को प्रियंका गांधी से मिलाने वाले मथुरा यूपी के सीनियर कांग्रेस लीडर पूर्व विधायक प्रदीप माथुर ने संत विजयदास की मौत के लिए राजस्थान की लाल फ़ीताशाही को ही ज़िम्मेदार ठहराया है और संत विजयदास के आत्मदाह की घटना से प्रियंका गांधी को अवगत कराया है और कहा की सीएम अशोक गहलोत तो पहले से ही मामले में सहमति दे चुके थे तो अफ़सरों ने या जो मंत्री वार्ता कर रहे थे. उन्होंने साधुओं को सरकार की तरफ से दिया गया सहमति पत्र क्यों नहीं दिया.राजस्थान की लालफीताशाही के गैर जिम्मेदारना रवैए की वजह से संत विजयदास को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा और सरकार की किरकिरी हुई और बीजपी को बेठे बिठाए एक बड़ा मुद्दा मिल गया जिसको बीजेपी अब छोड़ना नहीं चाहती है।

तेजपुरा गांव में जोहड़ में डूबने से बालक की हुई मौत

मरुधर हिन्द/हवासिंह चौधरी

मुंडावर। उपखण्ड छेत्र के गांव तेजपुरा में रविवार को सुबह करीबन 10 बजे नट जाति का लड़का गौतम जोहड़ साइड में घूमने गया । गौतम ने बारिश का जोहड़ में पानी देखने लग गया । अचानक बालक गौतम का पैर फिसल जाने से जोहड़ के गहरे पानी मे चला गया। बालक को तैरना नही आता था , बालक की डूबने से मोके पर ही मौत हो गई । गौतम घर पर नही पहुँचा तो घर वालो ने पता इधर उधर किया । बालक न मिलने पर ग्रमीण व परिजन भी जोहड़ साइड में देखने गए तब बालक गौतम का शव पानी मे तैर रहा था । ग्रमीणो ने पुलिस को सूचना दी । मोके पर पुलिस पहुँच कर बालक को ग्रमीणो के सहयोग से निकाला । पुलिस ने शव का मुंडावर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को दे दिया । इस दुखद धटना से पूरे गांव में मातम छाया रहा । गांव छोटा होने की वजह से गांव में चूल्हे तक नही जले । साय 5,30 बजे ग्रमीणो व परिजनों ने बालक गौतम का अंतिम संस्कार किया । मृतक बालक गौतम पुत्र गोविंदा जाती नट उम्र 12 साल की डूबने से मौत होने के चलते बालक गौतम की मां रीना व परिजनों का रो रो कर बुरा हाल बना रहा। ज्ञात रहे कि गौतम बालक सातवीं कक्षा में तेजपुरा स्कूल में पढ़ता था ।

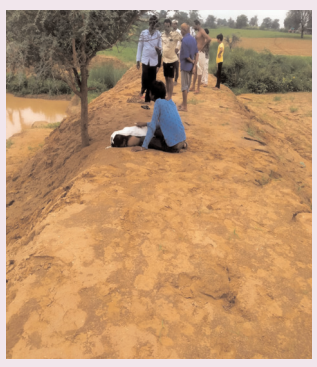

विकास का काम सभी की सजगता और सक्रियता के ऊपर करता है निर्भर- रामलाल शर्मा

विधायक रामलाल शर्मा ने कालाडेरा में 10 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन का किया शिलान्यास

मरूधर हिन्द/पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा/चौंमू

चौमूँ। विकास का काम सभी की सजगता और सक्रियता के ऊपर निर्भर करता है यह बात ग्राम पंचायत कालाडेरा में आयोजित शिलान्यास समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने कही। ग्राम पंचायत कालाडेरा में विधायक कोष से 10 लाख रुपयों की लागत से वाल्मीकि समाज के लिए हरिजन मोहल्ले में बनने वाले सामुदायिक भवन का शिलान्यास आज विधायक रामलाल शर्मा और प्रधान रामस्वरूप यादव सहित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर विधायक रामलाल शर्मा का ग्राम वासियों और वाल्मीकि समाज के लोगों द्वारा साफा और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि आपकी सक्रियता और प्रयास से एक सामुदायिक भवन का शिलान्यास आज किया गया है और ग्राम पंचायत द्वारा इस सामुदायिक भवन के ऊपर एक लाइब्रेरी बनाने का काम किया जाएगा। लाइब्रेरी बनाने से यहां के युवाओं को पढ़ने की जगह मिल सकेगी, क्योंकि शिक्षा के आधार के ऊपर ही आगे बढ़ा जा सकता है। इस प्रयास के लिए उन्होंने सरपंच अशोक शर्मा की तारीख की। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष से नहीं है, हमारी लड़ाई विचारधारा से हैं या उस सोच और उन व्यक्तियों से हमारी लड़ाई है, जो लोग अपना एकाधिकार समझते हैं। भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो सर्वस्पर्शी और सर्वव्यापी है। समाज का कोई भी वर्ग ऐसा नहीं रहे, जो विकास के कार्यों से वंचित हो। उन्होंने अग्निवीर योजना की विस्तार से चर्चा की और उन्होंने लोगों को लोक लुभावनी घोषणाओं से चक्कर में ना आकर देश को आगे बढ़ाने वाली योजनाओं का समर्थन करने की बात कही। उन्होंने बताया कि वाल्मीकि समाज के लिए कालाडेरा के अलावा चौमूँ और मोरीजा में भी सामुदायिक भवन बनाने का कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। कालाडेरा में दो स्थानों पर लाइन शिफ्टिंग का कार्य भी किया जाएगा तथा हाल ही में 12 लाख की लागत से बस स्टैंड पर एक सुलभ शौचालय बनाने और 10 लाख की लागत से मुख्य मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की अनुशंसा मेरे द्वारा की गई है। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सरपंच अशोक शर्मा ने पधारे अतिथियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पंचायत समिति प्रधान रामस्वरूप यादव, उप प्रधान प्रतिनिधि जयप्रकाश चौधरी, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि ओमप्रकाश दुसाद, मंडल अध्यक्ष बनवारी शर्मा, पूर्व सरपंच छितरमल हाटवाल, गोपाल डेनवाल, रामगोपाल मीणा, विष्णु नागर, पूर्व पार्षद बलदेव टांक, समाज के संत महाराज राम प्रसाद जी, संत नेमीचंद जी महाराज, पूर्व उपसरपंच भगवती देवी, राधेश्याम बिवाल, लक्ष्मी नारायण हाटवाल, सफाई कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष नाथूलाल टॉक, व्यापार मंडल अध्यक्ष हनुमान खोज, खटीक समाज अध्यक्ष मुकेश सामरिया, महामंत्री रिशपाल कुमावत, नंदलाल कुमावत शंकर खोज कमल लोहरा भंवर हाटवाल, हर्ष हाटवाल, मनीष, शुभम, बाबू लाल यादव, राजेश, पवन, संदीप, बाबूलाल सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासी उपस्थित रहे।

कठूमर में यूरिया खाद की हुई किल्लत,किसान हुए परेशान

मरूधर हिन्द

कठूमर। दिनेश लेखी। कठूमर उपखंड में यूरिया खाद की किल्लत बनी हुई है। यूरिया के लिए किसान दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है।किसानों ने इस समस्या को लेकर पूरी तरह से कृषि विभाग को जिम्मेदार ठहराया है। और विभाग के आला अधिकारी किसानों की समस्या को सुनने को तैयार नही है। यूरिया खाद नहीं मिलने पर किसान कभी सरकारी एजेंसी तो कभी विभागीय उच्च अधिकारियों के कार्यालयों में चक्कर लगा रहे है।

दुकानों पर जहां यूरिया खाद मिल रहा है। वहां या तो खाद की कालाबाजारी हो रही है। या फिर किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रहा है। किसानों को उचित मूल्य में खाद मिलने में भले ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वही प्राइवेट खाद विक्रेताओं के यहां किसानों की भीड़ लगी दिखाई देती है।

दुकानदार खाद की कालाबाजारी करने में लगे हुए है। क्षेत्र के किसानों को खाद की आवश्यकता होती है। उसी दौरान सरकारी एजेंसियों पर खाद की कमी हो जाती है। लेकिन प्राइवेट दुकानदार मनमर्जी के रेटों पर किसानों को खाद उपलब्ध कराकर मालामाल हो रहे है। पावटा गांव की महिला किसान का कहना है। समय पर यूरिया खाद नहीं मिला तो फसल प्रभावित होगी। वही वह सुबह से ही दुकान पर बैठ कर अपनी बारी आने की इंतजार में बैठी है। लेकिन दुकानदार ने यूरिया नही होने का बहाना बना कर टला दिया।

वही बताया जा रहा है खाद विक्रेताओं के पास खाद का स्टॉक नहीं होने से यह समस्या बनी हुई है। दुकान पर खाद पहुंचने के साथ ही दुकान के बाहर किसानों की भीड़ लग जाती है। कई किसानों को बिना खाद के मायूस लौटना पड़ता है।

इनका क्या कहना-

क्रय विक्रय सहकारी समिति की छुट्टी होने से बाजार से यूरिया लेना पड़ रहा है। जल्दी व्यवस्था करा दी जायेगी

पदमसिहं चौधरी,कृषि पर्यवेक्षक कठूमर

ग्राम सेवा सहकारी समिति पर छुट्टी होने की वजह से यूरिया खाद वितरण नहीं हो सका।

व्यवस्थापक ,राजेंद्र शर्मा कठूमर

एनवायरमेंट केयर डे के उपलक्ष में घर में एक चहकता घर अभियान का आगाज करते हुए गौरैया के घरोंदो का निशुल्क वितरण किया

मरुधर हिन्द हवासिंह चौधरी

बहरोड़। लायंस क्लब बहरोड किंग्स के द्वारा आज शहर के मध्य स्थित शहर की आन बान और शान स्टेडियम में एनवायरमेंट केयर डे के उपलक्ष में घर में एक चहकता घर अभियान का आगाज करते हुए 51 गौरैया के घरोंदो का निशुल्क वितरण किया ।

लायंस इंटरनेशनल के मल्टीपल कार्डसिल चेयरपर्सन लायन संजय भंडारी जी के द्वारा मल्टीपल के सभी डिस्ट्रिक्ट को 24 जुलाई हेतु एक एनवायरमेंट केयर डे का प्रोग्राम दिया गया था जिसके अंतर्गत ही लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स के द्वारा एक ही अनूठा प्रयोग किया गया ।

इस अभियान में सभी उपस्थित बुजुर्गों युवाओं महिलाओं व बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ।

इस अवसर पर मीडिया से मुखातिब होते हुए लायंस क्लब मेंबरशिप कमेटी चेयरमैन लायन प्रमोद अग्रवाल ने कहा कि आज हम पर्यावरण सुरक्षा दिवस मना रहे हैं उसी के तहत एक अनूठी पहल करते भी गौरैया के घरों का वितरण कार्यक्रम किया गया है इसके पीछे का उद्देश्य है कि विलुप्त होते हुइ गौरया की प्रजाति को अधिक से अधिक बचाना व उनकी संख्या को बढ़ाना है ।

घरौंदो का वितरण लायन दिनेश अग्रवाल के द्वारा प्रायोजित किया गया ।

कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष राकेश रोहिल्ला सचिव मुकेश यादव कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल कार्यक्रम संयोजक नीरज सोनी विनय गुप्ता प्यारेलाल सैनि निर्मल कौशिक मनीष शर्मा राजेश सैनी प्रदीप यादव ध्रुव अग्रवाल नवीन गोयल राकेश गोयल संदीप अग्रवाल आलोक अग्रवाल जयदीप खंडेलवाल आदि

केन्द्रीय व प्रदेश की गठित कमेटी व साधु संतो की मांग पर सीबीआई से कराई जाएगी जांच-अरूण सिंह

मरुधर हिंद /आमिर खान कामां

कामां। बृज के पर्वतों की रक्षा की खातिर आत्दाह करने वाले बाबा विजय दास की घटना की जांच करने पहुंची भाजपा केन्द्रीय टीम के भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एंव सांसद अरूण सिंह ने कामां पहुंचकर कस्बें के डाक बंगले पर प्रैसवार्ता के दौरान कहा कि राज्य सरकार की लापरवाही व खनन माफियाओं से सांठगांठ के चलते 550 दिन तक आन्दोलन कर रहे साधु संतो में एक संत विजय दास द्वारा बृज के पर्वतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति देने की घटना दुखद है। आज भारतीय जनता पार्टी की केन्द्रीय व प्रदेश भाजपा टीम ने ग्रामीणों,साधु संतो व खनन क्षेत्र व धार्मिक पर्वतों का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों से इस घटना की जानकारी ली गई तो राजस्थान सरकार की घोर लापरवाही सामने आई। जब बृज के साधु संतो के द्वारा हरिबोल बाबा के नेतृत्व में 15 दिन पूर्व ही आत्मदाह की चेतावनी दी गई थी लेकिन राजस्थान सरकार व जिला प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से नही लिया। राज्य सरकार व अफसरों की अनदेखी के चलते अपनी मांगो को मनवाने व सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए पसोपा गांव में धरना दे रहे साधु संतो में से नारायण दास बाबा टावर चढ़ गए। इसके बाबजूद भी सरकार के मंत्री इस घटना को भी मजाक में लेते रहे। और उल्टे साधु संतो को गुमराह करते रहे। इस घटनाक्रम से व्यथित होकर पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में संत विजय दास बाबा ने आत्मदाह कर लिया इतनी बड़ी घटना हो जाने के बाद भी राजस्थान सरकार ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई भरतपुर प्रशासन ने बाबा का अन्तिम संस्कार करने की गांव पसोपा में अनुमति नही दी। जांच कमेटी के सदस्यो ने कहा कि इस मामले की सीबीआई से जांच कराई जाएगी। केन्द्रीय टीम में, सांसद अरुण सिंह, सीकर सांसद स्वामी सुमेधानंद सरस्वती,पूर्व केन्द्रीय मंत्री व सांसद सत्यपाल सिंह व उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी व सांसद बृजलाल शामिल थे। इसके अलावा राज्य स्तरीय कमेटी के सदस्य अलवर सांसद बालकनाथ,सांसद रंजीता कोली,पूर्व विधायक गजेन्द्र सिंह,पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी वपूर्व विधायक राजकुमारी भी साथ रहे7 केंद्रीय व राज्य स्तरीय जांच कमेटी के दौरे में उनके साथ अलवर के पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल,डाग विकास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष जवाहर सिंह बेढ़म,नगर की पूर्व विधायक अनिता सिंह,प्रदेश महामंत्री भजन लालशर्मा,भाजपा जिलाध्यक्ष डा.शैलेश सिंह,भानूप्रताप सिंह,प्रदीप गोयल,मनीष शर्मा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष याकूब खान, अफजल खान सबलाना, आसिफ लाडमका, विपुल शर्मा, शाकिर अली, किशोर तिवारी,,जुम्मे खान शहीद भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे ।

विश्राम गुर्जर चेयरमैन सरस् दूध डेयरी का ग्रामीणों ने किया सोडावास व झंझारपुर में किया स्वागत

मरुधर हिन्द/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। उपखण्ड छेत्र के सोडावास कस्बे के दायमा कम्पलेक्स एवं झझारपुर बसस्टैंड आनंदबाग परिसर में विश्राम गुर्जर चेयरमैन अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड का ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया । कार्यक्रम में पंडित गोपी चंद शर्मा , शीशराम छाबड़ी, सावंत छाबड़ी, रामनिवास दायमा भूतपूर्व सैनिक तेजपुरा , मेहर चंद दायमा पंच सोडावास सरपंच सरजीत चौधरी, प्रदीप शेरावत, अनिल शर्मा, बधिन सरपंच जगदीश मीणा , सूबे सिंह चौधरी इंजीनियर, रतिराम छाबड़ी, रमेश मिस्त्री , रामू मिस्त्री जय भगवान चनेजा, डॉ, अनिल आदित्य , बलराम चंदेला आलनपुर , हनुमान छाबड़ी, हीरालाल , शेर सिंह, बहादुर सिह, ब्रह्म प्रकाश शर्मा सहित अनेको ग्रमीण मौजूद रहे ।

कुशलगढ से भाजपा कार्यकर्ता पहुंचे जनजाति गौरव यात्रा में, प्रदेशाध्यक्ष का किया स्वागत

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। भारतीय जनता पार्टी कुशलगढ के दर्जनों कार्यकर्ता रविवार को त्रिपुरा सुंदरी से बेणेश्वर धाम तक आयोजित जनजाति गौरव यात्रा में सम्मिलित हुए।जानकारी देते हुए नगर मंडल अध्यक्ष जिनेंद्र सेठिया ने बताया की कुशलगढ़ विधानसभा क्षेत्र से पूर्व संसदीय सचिव भीमा भाई डामोर, कुशलगढ़ प्रधान कानहिंग रावत, नगर पालिका अध्यक्ष बबलू मईडा, हेमेंद्र पंड्या, सुनील शर्मा, पार्षद राहुल सोनी, पार्षद नरेश गादिया, पार्षद जितेंद्र अहारी, पार्षद महावीर कोठारी, दिलीप टेलर, पार्षद राहुल भाई, प्रकाश निनामा, पार्षद संजय चौहान, पार्षद महेंद् शाह सहित भाजपा के सरपंच, जिला परिषद सदस्य और कुशलगढ़ क्षेत्र के कार्यकर्ता पदयात्रा में शामिल हुए, त्रिपुरा सुंदरी मंदिर परिसर में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया का अभिनंदन किया।

'श्रीं हनुमत चरित्र' का संगीतमय पाठ

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। श्री हनुमत चरित्र प्रचार समिति के सानिध्य में जन कला साहित्य मंच संस्था द्वारा संचालित निराश्रित बच्चों के आश्रय गृह अपना घर पर बच्चों में हनुमत भक्ति एवं शक्ति के संचार हेतु श्री हरिहरस्वरूप जी महाराज विरचित महावीर रहस्यमय ग्रंथ श्रीं हनुमत चरित्र का संगीतमय पाठ किंकर कपिल जोशी, नन्दकिशोर वैष्णव, विष्णु कंसारा, चंद्रशेखर शर्मा, हरीश पंचाल एवं पवन शाह द्वारा किया गया जिसमें मोहित जायसवाल एवं पवित्र शर्मा ने ढोलक पर संगत दी । बच्चों ने नाचते गाते हुए पाठ का खूब आनन्द लिया, आयोजन में 25 बच्चों के साथ पुष्पेन्द्र पण्ड्या, दिनेश पूरी, सेवालाल, कशिश मेहता, विद्वुल आचार्य एवं रमन गर्ग उपस्थित रहे । जन कला साहित्य मंच संस्था की संचालिका वर्षा मेहता ने बताया कि संस्था द्वारा अपना घर आश्रय गृह में वर्तमान में पच्चीस निराश्रित बच्चों के पालन पोषण और उनकी स्कूली शिक्षा के साथ ही उन्हें संस्कारवान बनाने की दिशा में भी प्रयास किये जाते हैं । ये जानकारी किंकर कपिल जोशी संस्थापकः श्री हनुमत चरित्र प्रचार समिति,बांसवाड़ा ने दी।

एफ-एसटीपी प्लांट के लिए मोरीजा में आवंटित भूमि को निरस्त कराने के लिए चल रहे धरना स्थल पर पहुंचे विधायक शर्मा

मरूधर हिन्द/पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा/चौंमू

चौमूँ। आज ग्राम पंचायत मोरीजा में जेडीए द्वारा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए चोमूं नगरपालिका को जेडीए के अधिकार क्षेत्र में दी गई 2 बीघा जमीन आवंटन के विरोध मे ग्रामीणों द्वारा पिछले 10 दिनों से दिए जा रहे धरने पर विधायक रामलाल शर्मा पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। इस मौके पर समिति के सदस्यों व ग्रामीणों ने विधायक को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को ग्राम मोरीजा से निरस्त करवाने हेतु ज्ञापन दिया और ज्ञापन में बताया कि उक्त प्लांट के पास में धार्मिक स्थल, राजकीय कार्यालय, खेल मैदान, व चारागाह भूमि स्थित है जिस पर विधायक ने उच्च अधिकारियों से बात कर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। साथ ही विधायक रामलाल शर्मा ने मांग की कि चौमू नगरपालिका क्षेत्र के लिए पूर्व में प्रस्तावित 202 करोड़ की योजना की क्रियान्वित कर चौमु की जनता का भला करने का काम सरकार करें। इस मौके पर समिति कोषाध्यक्ष व उपसरपंच सुदर्शन शर्मा, अशोक कुमार मीणा,मोरीजा सरपंच मंगल चंद सैनी,अनुपम आत्रेय, वार्ड पंच कन्हैया लाल सैनी, शंकर यादव, मालीराम यादव, सुरेश सैनी, रमेश चंद आत्रेय, हंसराज आत्रेय, गोपाल दास स्वामी, सुल्तान गुर्जर, कमलेश संत, रामकिशोर मीणा,रामधन मीणा, हीरालाल सामरिया, कृष्ण दत्त शर्मा, मुकेश मीणा, मनोज कुमार मीणा, मोहनलाल, सीताराम सामरिया, कमल सेन, लल्ली सेन, प्रहलाद जोशी, विष्णु शंकर जोशी, अशोक कुमार मीणा, रमेश कुमार मीणा, किशोर कुमार मीणा, कजोड़ मीणा मुरलीधर प्रजापत, नरोत्तम शर्मा, उमेश पारीक सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

स्वैच्छिक रक्तदान, निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर व सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

मरूधर हिंद/विनोद शर्मा

जयपुर। श्रीमती भंवरी देवी कुमावत चैरिटेबल सोसायटी ने जयपुर के 22 गोदाम स्थित शिव मंदिर, डूंडलोद कॉलोनी पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर व सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी व कार्यक्रम की अध्यक्षता चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर ने की। मुख्य अतिथि अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि रक्तदान महान कार्य है और रक्तदान का अधिकार केवल मानव के पास ही है। इसलिए एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति की रक्तदान कर जान बचा सकता है। चेतन कुमावत ने कहा कि हमें अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए, जिससे रक्त के अभाव में जूझ रहे लोगों की मदद की जा सके और उनके प्राण बचाए जा सकें। सोसायटी के संरक्षक भंवरलाल कुमावत ने अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। सोसायटी के अध्यक्ष राजेश कुमावत ने बताया कि रक्तदान शिविर में 217 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। 500 से अधिक मरीज लाभान्वित हुए। शिविर में वैक्सीनेशन भी किया गया जिसमें 12+आयुवर्ग के लिए कोविड-19 वैक्सीन की पहली, दूसरी व बूस्टर डोज लगाई गई साथ ही प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें समाज के 10वीं तथा 12वीं कक्षा में 80 प्रतिशत व अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले होनहारों का सम्मान किया भी गया। आनन्द आई हॉस्पीटल एण्ड आई सेंटर, जैन ई.एन.टी. हॉस्पीटल, अग्रवाल डेंटल क्लिनिक के डॉ. आशीष अग्रवाल, फिजियोथेरेपिस्ट अजित सहारण, डायटिशियन डॉ. अमिता अग्रवाल, नाडी दोष एवं वैदिक डाइट की डॉ. सुमन माहेश्वरी व जनरल फि?जिशियन डॉ. एच.एल. सैनी इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पद्धति की डॉ. मंजू जैन एवं चीना कुमावत सहित विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवा? दी।

बोल अनमोल

यदि हमारे मन में शांति नहीं है तो, इसकी वजह है कि हम यह भूल चुके हैं कि हम एक दूसरे के हैं।

- मदर टेरेसा

नई महामहिम से उम्मीदें

उम्मीदों के अनुरूप ही एनडीए की ओर से राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू गुरुवार को विशाल मतों के अंतर से विजयी घोषित की गईं। इस प्रकार देश को 15वां राष्ट्रपति मिला। वह देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति और पहली आदिवासी राष्ट्रपति होंगी। इस मौके पर देश को अब तक मिले राष्ट्रपतियों की सूची पर नजर डालें तो इसमें एक से एक गौरवान्वित महसूस कराने वाले नाम मिलते हैं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद और सर्वपल्ली राधाकृष्णन से लेकर रामनाथ कोविंद तक सभी ने राष्ट्रपति पद पर रहते हुए किसी न किसी रूप में अपने व्यक्तित्व की छाप छोड़ी है। मगर कुछ छापें ऐसी गहरी पड़ी हैं, जो याद दिलाती हैं कि यह संवैधानिक पद पद भले ही शासन से जुड़े रोजमर्रा के फैसलों से ऊपर और राजनीतिक सत्ता से अलग हो, इसमें निहित प्रभाव इसे विशिष्ट बनाए रखता है। यह प्रभाव ही इसे असाधारण परिस्थितियों में राष्ट्र का मार्गदर्शन करने और सामान्य परिस्थितियों में उसे प्रेरित करने की क्षमता से लैस करता है। कुछ राष्ट्रपतियों के कार्यकाल में विवाद भी बेशक हुए हैं, लेकिन ये विवाद राष्ट्रपति पद की शोभा नहीं बढ़ा सके। पद की शोभा बढ़ी उन राष्ट्रपतियों के कार्यकाल में, जिन्होंने इसकी मर्यादा और संवैधानिक सीमाओं का ख्याल रखते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह किया। इस लिहाज से देखें तो राष्ट्रपति पद की गरिमा सुरक्षित रखते हुए सरकार पर विवेक का अंकुश बनाए रखने की जो मिसाल दसवें राष्ट्रपति के आर नारायणन ने पेश की, वह आगे के राष्ट्रपतियों के लिए प्रेरणा बनी। यही नहीं, 11वें राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने जिस तरह अपने व्यक्तित्व की सादगी से असंख्य देशवासियों और खास तौर पर बच्चों, विद्यार्थियों को प्रभावित किया, वह भी अद्वितीय है। इन उदाहरणों की रोशनी में द्रौपदी मुर्मू के शुरू होने वाले कार्यकाल को देखें तो उनसे अपेक्षाएं ढेर सारी हैं। वह ऐसे समय राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी संभाल रही हैं, जब देश में तीखा राजनीतिक विभाजन है। विपक्ष और सत्ता पक्ष के मतभेद सामान्य राजनीतिक मतभेदों की सीमा से आगे जा चुके हैं। दोनों अक्सर एक-दूसरे को देश के लिए खतरनाक करार देने की हद तक चले जाते हैं। ऐसे में द्रौपदी मुर्मू का व्यक्तित्व एक ऐसे सर्वसमावेशी रूप में सामने आया, जहां राजनीतिक विरोध क्षीण पड़ते दिखाई देने लगे। जो पार्टियां विपक्षी प्रत्याशी का चयन करने में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही थीं, वे भी द्रौपदी के नाम पर अपना विरोध शिथिल करने को मजबूर हुईं और कुछेक दलों ने तो बाकायदा उनके पक्ष में वोट तक किया। दलीय राजनीति के गुणा-भाग में इसे चाहे जिसका भी फायदा या घाटा बताया जाए, राष्ट्र और लोकतंत्र के लिए सर्वोच्च पद पर ऐसे उदात्त व्यक्तित्व का आना एक अच्छी खबर है।

आज के ट्वीट

ईडी के अफसर अपने घर जाकर अपने बीवी-बच्चों से आंख मिलाकर बात करके बतायें, जो कार्रवाई वह कर रहे हैं वह सही है? अगर हिम्मत है तो वह ऐसा करके दिखाएं। ईडी के अफसर बीजेपी शाषित राज्यों में कार्रवाई क्यों नहीं करते? छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार में चिटफण्ड के माध्यम से हजारों करोड़ की मनी लांड्रिंग हुई है, केंद्र सरकार उसकी जांच क्यों नहीं कर रही है?

- भूपेश बघेल

आज पूरी दुनिया डिजिटलाइजेशन की ओर बढ़ रही है। कंप्यूटर के युग ने जीवन को सरल बना दिया है। सभी विभागों को डिजिटल किया जा रहा है। अगर हमें समय के साथ चलना है तो हमें कंप्यूटर, टैबलेट और लैपटॉप का उपयोग करना होगा और उनको चलाने में कुशल होना होगा। हमारी सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं को ऑनलाइन कर दिया है।

- मनोहरलाल खट्टर

आज का इतिहास

- **1998 - सं.रा. अमेरिका ने सात भारतीय वैज्ञानिकों को देश छोड़ने के लिए आदेश दिया।**
- **1999 - मोरक्को के शाह हसन का निधन।**
- **2000 - व्यापक घोषणाओं के साथ नागो में हुए समूह-8 का 26वाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न।**
- **2001 - मेघावती सुकर्णोपूत्री इंडोनेशिया की राष्ट्रपति बनीं।**
- **2005 - मिस्र के शर्म अल-शेख और नामा बे के कुछ होटलों में बम विस्फोटों से लगभग 100 लोग मारे गये।**
- **2007 - अफगानिस्तान के राष्ट्रपति मुहम्मद जहीरशाह का निधन।**
- **2008 - नेपाल के प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला ने नव निर्वाचित राष्ट्रपति रामबरन यादव को अपना इस्तीफा सौंपा।**

जन्मे जो आज के दिन

बाल गंगाधर तिलक

विद्वान, गणितज्ञ, दार्शनिक और उग्र राष्ट्रवादी व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता की नींव रखने में सहायता की। उन्होंने 'इंडियन होमरूल लीग' की स्थापना सन् 1914 ई. में की और इसके अध्यक्ष रहे तथा सन् 1916 में मुहम्मद अली जिन्ना के साथ लखनऊ समझौता किया, जिसमें आजादी के लिए संघर्ष में हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रावधान था। बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई, सन् 1856 ई. को भारत के रत्नागिरि नामक स्थान पर हुआ था। इनका पूरा नाम 'लोकमान्य श्री बाल गंगाधर तिलक' था। तिलक का जन्म एक सुसंस्कृत, मध्यमवर्गीय ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम 'श्री गंगाधर रामचंद्र तिलक' था। श्री गंगाधर रामचंद्र तिलक पहले रत्नागिरि में सहायक अध्यापक थे और फिर पूना तथा उसके बाद 'ठाणे' में सहायक उपशैक्षिक निरीक्षक हो गए थे। वे अपने समय के अत्यंत लोकप्रिय शिक्षक थे। उन्होंने 'त्रिकोणमिति' और 'व्याकरण' पर पुस्तकें लिखीं जो प्रकाशित हुईं। तथापि, वह अपने पुत्र की शिक्षा-दीक्षा पूरी करने के लिए अधिक समय तक जीवित नहीं रहे।

- **1906 - चंद्रशेखर आजाद, स्वतन्त्रता सेनानी**
- **1898 - ताराशंकर बंद्योपाध्याय, ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध बांग्ला साहित्यकार**

क्या विराट कोहली फाइटबैक कर पाएंगे?

शिवेन्द्र कुमार सिंह

इस सवाल के जवाब का इंतजार कई लोग कर रहे हैं। इसमें सबसे पहला नंबर करोड़ों क्रिकेट फैंस का है। क्रिकेट फैंस के अलावा भी इस सवाल का जवाब तलाशने वालों की तादाद लंबी है। हां, इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि दूसरे, तीसरे या चौथे नंबर पर कौन है। इसमें बीसीसीआई के सेलेक्टर्स हैं, कई पूर्व क्रिकेटर्स हैं, भारतीय टीम के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ हैं, दुनिया भर की क्रिकेट टीम के कप्तान हैं, विज्ञापनों का बड़ा बाजार है और शायद विराट कोहली खुद भी हैं। टी20 विश्व कप अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में खेला जाना है और फिलहाल विराट कोहली आराम कर रहे हैं। वो अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ पेरिस में हैं। हाल ही में वो इंग्लैंड के खिलाफ मैदान में उतरे थे।

उनका बल्ला न तो टेस्ट मैच में चला न ही वनडे या टी20 सीरीज में। सच ये है कि इस वक्त क्रिकेट फैंस का एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो मैच के नतीजे से ज्यादा विराट कोहली के स्कोर पर नजर रखता है। उसे भारत की जीत या हार से ज्यादा फिक्र विराट कोहली के फॉर्म की है। जो पिछले करीब ढ़ाई साल से आंख मिचौली कर रही है। या यूं कहें कि रूठी हुई है। एक अदद शतक के लिए विराट कोहली तरस गए हैं।

भारतीय टीम बड़ी उम्मीद से इंग्लैंड गई थी। सबसे पहले बर्मिंघम में टेस्ट मैच खेला जाना था। आपको याद दिला दें कि टीम इंडिया पिछले साल कोविड की वजह से टेस्ट सीरीज के बीच में लौट आई थी। पांच मैच की सीरीज में उस वक्त भारतीय टीम 2-1 से आगे थी। उम्मीद थी कि ये सीरीज भारतीय टीम 3-1 से अपने नाम करेगी। रोहित शर्मा की गैर-मौजूदगी में जसप्रीत बुमराह कप्तानी कर रहे थे। इस टेस्ट मैच में विराट कोहली ने पहली पारी में 11 और दूसरी पारी में 20 रन बनाए। भारतीय टीम टेस्ट मैच हार गई। टेस्ट सीरीज का स्कोर 2-2 से बराबरी पर रहा। इसके बाद टी-20 सीरीज में उन्होंने 1 और 11 रन की पारी खेली। वनडे सीरीज में उन्होंने 16 और 17 रन की पारी खेली। यानी इंग्लैंड में सारे फॉर्मेट मिलाकर उन्होंने कुल 76 रन बनाए हैं।

सिर्फ 76 रन बनाने वाले बल्लेबाज को आराम कैसे दिया जा सकता है, ये बहस इस वक्त भारतीय क्रिकेट में काफी गर्म है। लेकिन बीसीसीआई के सूत्र बताते हैं कि सेलेक्शन कमेटी ने बगैर कोई सवाल किए विराट कोहली को छुट्टी दी है। सेलेक्शन कमेटी को लगता है कि विराट अगर फॉर्म में आ गए तो सभी का काम आसान हो जाएगा। किसी भी टीम में नंबर तीन की 'पोजीशन' बहुत 'क्रूशियल' होती है। विराट अगर फॉर्म में आ गए तो सेलेक्शन कमेटी, कोच, कप्तान सब राहत की सांस लेंगे। पिछले दिनों एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा ने खुलकर विराट कोहली को 'बैक' किया था। लेकिन कड़वा प्रश्न ये है कि क्या आराम करके कोई खिलाड़ी अपनी खोई फॉर्म हासिल कर सकता है। कुछ दिन पहले क्रिकेटर इरफान पठान ने सोशल मीडिया पर लिखा था- आराम करके कोई भी खिलाड़ी फॉर्म में नहीं लौट सकता। जाहिर है बिना नाम लिए ये बात विराट कोहली के लिए ही कही गई थी।

ऐसा नहीं है कि विराट कोहली बेफिक्र होंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वो 14 साल बिता चुके हैं। उन्होंने सचिन, सहवाग से लेकर धोनी, युवराज जैसे खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर किया है। उन्हें अच्छी तरह पता है कि भारतीय क्रिकेट में वक्त बहुत तेजी से करवट लेता है। उस विज्ञापन की लाइनें उनकी कानों में भी जरूर पहुंची होंगी। जिसमें बच्चे कहते हैं- ये इंडिया का क्रिकेट है बीड़ू, जीते तो थाट है हारे तो वाट है। जो विराट कोहली अपनी बल्लेबाजी के दौरान कोई गलती एक से ज्यादा बार नहीं करते थे वही विराट कोहली एक जैसी भूल बार-बार करते दिखते हैं। आउट होने के बाद उनके चेहरे पर झुंझलाहट, गुस्सा और मायूसी दिखने लगी है। वो भले ही खुद नहीं समझ पा रहे होंगे कि आखिर हुआ क्या है। लेकिन वो इस बात को अच्छी तरह समझ रहे होंगे कि भारतीय क्रिकेट में सवाल सचिन तेंदुलकर की फॉर्म पर उठ जाते थे तो विराट तो उनसे पीछे ही हैं।

ये बात हर कोई जानता है कि विराट कोहली टीम में बोझ बनकर नहीं रहेंगे। उन्होंने टी20 की कप्तानी छोड़ी। उनसे कहा गया वनडे की भी कप्तानी छोड़ दें, उन्होंने टेस्ट की भी छोड़ दी। ऐसा लगता है आप विराट कोहली से कोई चीज छीनने की कोशिश करेंगे तो वो उसे छोड़ ही देते हैं। इस वक्त विराट कोहली के विकल्प तैयार हैं। वो भले ही विराट कोहली की तरह 70 शतक न लगा पाएं लेकिन उनकी मौजूदा फॉर्म विराट कोहली से कहीं बेहतर है। वो टीम को बेहतर संतुलन दे रहे हैं। दीपक हुडा इस रेस में सबसे आगे हैं। सवाल ये है कि क्या विराट कोहली अपनी साख की बदौलत खेलना पसंद करेंगे, विराट कोहली के खेल और बर्ताव पर नजर रखने वाले कहते हैं- बिल्कुल नहीं। अगर उन्हें लगा कि वो टीम में कुछ 'कंट्रीब्यूट' नहीं कर रहे हैं तो वो टी20 फॉर्मेट छोड़ देंगे। ऐसी खबरें उस वक्त भी थीं जब उन्होंने टी20 की कप्तानी छोड़ी थी। कहा जा रहा था कि वो वनडे और टेस्ट पर 'फोकस' करने के लिए टी20 फॉर्मेट छोड़ना चाहते थे। वैसे उनसे पहले सचिन तेंदपलकर, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली जैसे खिलाड़ी ये फैसला कर चुके हैं। जहां वो भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय टी20 फॉर्मेट नहीं खेलते थे। 2007 टी20 विश्व कप में ये तीनों खिलाड़ी नहीं खेले थे। याद दिला दें कि धोनी की कप्तानी में भारत ने वो टी20 वर्ल्ड कप जीता था।

भूलना नहीं चाहिए कि सौरव गांगुली और विराट कोहली के रिश्ते को लेकर भी चर्चा गर्म रही है। विराट से जब कप्तानी ली गई थी तो उसमें सौरव गांगुली का रोल बहुत बड़ा माना जा रहा था। क्रिकेट एडमिनिस्ट्रेशन कमेटी के वक्त पर विराट कोहली ने कई ऐसे फैसले किए थे जो सौरव को पसंद नहीं आए होंगे। कुंबले को कोच के पद से हटाने की बात सौरव नहीं भूले होंगे। ऐसे में वो सेलेक्टर्स को कुछ न कुछ इनपुट जरूर देंगे। विराट भी अब तक ये बात अच्छी तरह समझ गए होंगे कि फॉर्म न होने की सूरत में सौरव गांगुली किस हद तक उनका साथ देंगे। सौरव गांगुली सेलेक्शन कमेटी में अपना हस्तक्षेप नहीं करेंगे, ये बात शायद ही किसी को पचेगी। विराट के भविष्य की दशा और दिशा का ये सबसे अहम पहलू है।

विराट जैसा कद्दावर खिलाड़ी जब आउट ऑफ फॉर्म होता है तो उस पर बोलना किसी के लिए भी आसान नहीं होता। सेलेक्शन कमेटी चुप रहती है। साथी खिलाड़ी चुप रहते हैं। लेकिन इससे उलट बोलने वालों की लंबी लिस्ट भी होती है। विराट की मौजूदा फॉर्म पर कपिल देव बोल चुके हैं, वेंकटेश प्रसाद बोल चुके हैं। इस लिस्ट में अजय जडेजा से लेकर रिकी पॉन्टिंग तक का नाम है। ये सारे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बड़े नाम हैं। इनके बयान सुर्खियां बनते हैं। सोशल मीडिया के इस दौर में विराट कोहली इन बातों से बेखबर होंगे ये मुमकिन नहीं है। वो खुद सोशल मीडिया में काफी 'एक्टिव' रहते हैं। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि उनकी फॉर्म को लेकर इस वक्त कैसी और कितनी हलचल है। उन्हें अच्छी तरह पता होगा कि टीम में उनकी जगह को लेकर कितने सवाल हैं। उनकी फॉर्म को लेकर कितना बवाल है। ऐसे में चौंकिएगा नहीं अगर वो एक दिन खुद ही ये फैसला कर लें कि वो टी20 फॉर्मेट को अलविदा कह रहे हैं। 31 साल की उम्र में वनडे फॉर्मेट से अलविदा लेने का बेन स्टोक्स का फैसला भी उन्हें कोई रास्ता दिखा सकता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

वर्तमान में वर्षा जल संचयन की महती आवश्यकता

प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी

वर्षा जल प्रकृति द्वारा प्रदत्त अद्वितीय एवं अनमोल उपहार है, जो प्रतिवर्ष लगभग पृथ्वी के अधिकांश भाग को प्राप्त होता है। वर्षा के मौसम में जब पानी पृथ्वी पर गिरता है तब उसका कुछ अंश पृथ्वी की गहराई में स्थान पाता है। पृथ्वी के अन्दर जल संचयन की मात्रा उस स्थान पर पाये जाने वाले शैल के भौमजल (हाइड्रो जियोलॉजिकल) गुणों पर निर्भर करती है। पानी का शेष भाग अंततः नदियों से होता हुआ समुद्र में मिल जाता है। वर्षा जल को विभिन्न विधियों से संचयन कर आवश्यकतानुसार विभिन्न कार्यों के लिए उपयोग रेन वाटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) कहलाता है। यदि हम मानव के इतिहास पर नजर दौड़ाएं तो पाते हैं कि वर्षा जल संरक्षण का इतिहास बहुत पुराना है। वास्तव में विश्व के लगभग सभी धर्मग्रन्थों में जल संचयन के महत्व का उल्लेख मिलता है। मत्स्य पुराण में उल्लेख है कि ग्रीष्म काल तक जलाशय में रहने वाला जल राजसूय यज्ञ से भी अधिक फलदायी होता है। जॉर्डन में ईसा पूर्व सातवीं शताब्दी में वर्षा जल संचयन सम्बन्धी संरचनाएं पायी गयी हैं जो हौज के रूप में थीं जिनका उद्देश्य वर्षाजल को एकत्रित करना था। ईसा पूर्व पांचवी शताब्दी के आरम्भ में श्रीलंका के सिजिरिया में वर्षा जल को एकत्रित करने हेतु राक कैचमेंट सिस्टम बनाया गया था। भारत में हड़प्पा और मोहनजोदड़ो में जल संचयन के बेहतरीन व्यवस्था के प्रमाण पाये गये हैं। गुजरात, राजस्थान में जल संचयन व्यवस्था के कई प्रमाण मिलते हैं। भारत के पश्चिमी घाट के निकट नानेघाट में जल संचयन व्यवस्था के प्राचीनतम प्रमाण मिलते हैं। यहां पहाड़ों में संस्थित पत्थरों में कई जलाशय बनाये गये थे जिससे उस क्षेत्र में यात्रा करते समय व्यापारियों को पेयजल उपलब्ध होता था।

घरेलू और औद्योगिक क्षेत्र में पानी की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी का के परिणामस्वरूप जल संकट जैसी स्थिति उत्पन्न हुई है। विश्व में नदियों के मामले में सर्वाधिक संपन्न भारत करीब साठ करोड़ से ज्यादा आबादी पानी की समस्या से सामना कर रही है और तीन-चौथाई घरों में पीने का साफ पानी की उपलब्धता नहीं है। जल गुणवत्ता की दृष्टि से भारत की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इसका सबसे बड़ा कारण समावेशी नीति के अभाव में जल संचय, संरक्षण व प्रबंधन में असफलता को कहा जा सकता है। वर्षा जल संग्रहण में स्थल चुनाव एवं संरक्षण हेतु उपयुक्त संरचना का निर्माण सर्वाधिक महत्वपूर्ण बिन्दु है। जल संचयन के स्थल हाइड्रोजियोलॉजिस्ट

की भूमिका सर्वाधिक चुनाव में महत्वपूर्ण होती है। इसके साथ-साथ आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक, रिमोट सेंसिंग एवं जी.आई.एस. का भी उपयोग जरूरी होता है।

वर्षा जल संचयन की महत्वपूर्ण संरचनाएं निम्नानुसार हैंः चेकडैम इसे किसी भी झरने या नाले या छोटी नदी के जल प्रवाह की विपरीत दिशा में निर्मित किया जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य मानसूनी वर्षा के अतिरिक्त जल को रोकना है ताकि यह जल कृषि इत्यादि के काम आ सके। इससे संबंधित क्षेत्र का भूजल स्तर भी बढ़ता है। खाइयां इसका निर्माण पहाड़ी क्षेत्र में अपेक्षाकृत ऊंचे स्थलों पर किया जाता है तथा जल पारगम्य शैलें उथली गहराई पर उपलब्ध होती हैं। खाई सामान्यतया 0.5 से 1 मीटर चैड़ी, 1 से 1.5 मीटर गहरी, 10 से 20 मीटर लम्बी हो सकती हैं। गेबियन संरचना जल संरक्षण के लिए गांव या पहाड़ी के क्षेत्रों में नाले में गेबियन संरचना बनायी जाती है। इसका लक्ष्य पानी के वेग को नियंत्रित कर मृदा अपरदन / कटाव को रोकना तथा भूजल स्तर बढ़ाना होता है। स्टॉप डैम यह एक ऐसा अवरोध है जो जल को बहने से रोकता है और एक जलाशय बनाने में मदद करता है। इससे वर्षा के दिनों में आने वाली बाढ़ उस क्षेत्र में रुकती है तथा संरक्षित जल सिंचाई, जल विद्युत, पेयजल की आपूर्ति में सहायक होता है। लूज बोल्डर इस संरचना का निर्माण संरचना स्थल के आस पास उपस्थित लूज बोल्डर को एकत्र कर निर्मित किया जाता है। कूप एवं तालाब कूपों का पुनः भरण ढाँचे के रूप में उपयोग किया जा सकता है किन्तु पानी को कूपों में डालने से पूर्व उसको फिल्टर किया जाना आवश्यक होता है। भवनों की छत पर वर्षा जल को संचित करके एक पाइप के माध्यम से सीधे ट्यूबवेल में उतारा जाता है। इसमें छत से ट्यूबवेल को जोड़ने वाले पाइप के मध्य फिल्टर लगाना आवश्यक होता है। इसके अतिरिक्त सही स्थल का चुनाव कर तालाब का निर्माण किया जाता है। इसके निर्माण के समय यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि पानी पृथ्वी के नीचे भी जा सके जिससे भूजल स्तर में भी वृद्धि हो सके। घरों में भी सोख्ता गड्ढे बनाकर वर्षा जल का संरक्षण किया जा सकता है। ये गड्ढे कई प्रकार के होते हैं जिसका प्रयोग छोटे-छोटे घरों से लेकर बहुमंजिला इमारतों में किया जा सकता है। घरों की छतों पर वाटर रिचार्जिंग सिस्टम लगाकर पानी को सीधे जमीन में संरक्षित किया जा सकता है। प्रत्येक 200 वर्ग मीटर का घर प्रत्येक वर्ष 2 लाख लीटर वर्षा जल को रिचार्ज कर जमीन में पहुंचा सकता है। खेतों की गहरी जुताई, मेड़ों को ऊंचा करके भी वर्षा जल को रोका जा सकता है, सघन वृक्षारोपण भी मृदा अपरदन और जल संचयन में उपयोगी है।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग से अनेक लाभ हैं। इससे निश्चित रूप से जल संकट की समस्या को प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है। वर्षा जल लगभग शुद्ध होता है, निश्चित रूप से इसके पृथ्वी के गहराई में एकत्रित होने पर संबंधित क्षेत्र में भू-जल की मात्रा एवं गुणवत्ता भी बेहतर होगी। उदाहरणस्वरूप विंध्य क्षेत्र का भूजल अपेक्षाकृत अधिक कठोर है। वर्षा जल के भू जल में मिलने से जल की कठोरता कम हो सकती है, इससे निश्चित रूप विंध्य क्षेत्र के भूजल की गुणवत्ता अच्छी हो सकती है। क्षेत्र अन्तर्गत आने वाली बाढ़ पर प्रभावी नियंत्रण भी पाया जा सकता है। भारत में प्रत्येक वर्ष, वर्षा जल और बर्फ पिघलने के कारण लगभग 4000 अरब घन मीटर जल प्राप्त होता है, किन्तु कुल प्राप्त जल का केवल लगभग 60 प्रतिशत ही उपयोग हो पाता है, शेष जल नदियों के माध्यम से समुद्र में पहुंच जाता है। देश में जल के संचयन हेतु केन्द्र सरकार द्वारा जल शक्ति मंत्रालय का गठन किया गया है जिसके तहत विभिन्न कार्य निष्पादित किये जा रहे हैं। सरकार द्वारा 'जल शक्ति अभियानः कैच द रेन' की शुरूआत की गई थी। अटल भूजल योजना के माध्यम से कई राज्य भूजल संरक्षण और संवर्धन की दिशा में सार्थक प्रयास कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा वर्षा जल संरक्षण हेतु जल क्रांति योजना, एकीकृत जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, वॉटर शेड डेवलपमेंट, सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम, नीरांचल राष्ट्रीय जलग्रहण योजना इत्यादि कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इन सभी कार्यक्रमों के बावजूद इस दिशा में अपेक्षाकृत परिणाम अभी भी नहीं मिल पाया है। वर्षा जल संचयन के कार्य में सरकार के साथ-साथ गैर सरकारी संगठनों, विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आमजन की सक्रिय सहभागिता एवं सार्थक प्रयास आवश्यक है, तभी इस दिशा में संतोषजनक परिणाम मिल पायेंगे।

(लेखक भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रान्त अनुसंधान प्रकोष्ठ के प्रान्त प्रमुख हैं)

द्रौपदी मुर्मू से क्या चाहते हैं आदिवासी

द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति पद के लिए भारी मतों से विजयी होना भारत के राजनीतिक इतिहास की बड़ी घटना है। उनकी जीत के कई मायने हैं और इसके दूरगामी प्रभाव भी दिखेंगे। द्रौपदी मुर्मू को एनडीए ने राष्ट्रपति पद का प्रत्याशी बनाया था। उनके नाम की घोषणा के बाद ऐसे हालात बने कि कई दलों को उनका समर्थन करना पड़ा। इनमें झारखंड मुक्ति मोर्चा, शिवसेना जैसे दल भी हैं। शायद ही किसी को भरोसा था कि एनडीए देश के इस शीर्ष पद के लिए एक आदिवासी को मैदान में उतार सकता है, वह भी महिला को। इसलिए ऐसा लगा कि विपक्षी दल के पास एनडीए के इस मास्टर स्ट्रोक की कोई काट नहीं थी। यह इस बात का संकेत है कि द्रौपदी मुर्मू को लोग देश के इस सर्वोच्च पद पर देखना चाहते हैं।

द्रौपदी मुर्मू ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर गांव से आती हैं। यह बेहद पिछड़ा इलाका है। आदिवासी बहुल है। उन्होंने गरीबी देखी है, संघर्ष किया है और जमीन से जुड़ी रही हैं। वह धीरे-धीरे संघर्ष करते हुए आगे बढ़ी हैं। इसकी झलक उनकी राजनीतिक यात्रा पर एक नजर डालने से भी स्पष्ट हो जाता है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत पार्षद से की। इसके बाद वह विधायक बनीं। अगले कदम पर वह ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार में मंत्री बनीं। फिर उन्हें झारखंड का राज्यपाल बनाया गया। और अब वह राष्ट्रपति पद की शपथ लेने वाली हैं।

द्रौपदी मुर्मू बिल्कुल सरल स्वभाव की हैं और बेहद संवेदनशील भी। झारखंड में जब वह राज्यपाल थीं, उस दौरान अखबार में एक खबर आई कि गरीबी के कारण एक मां अपने पांच साल के एक बच्चे को किसी को देना चाहती है। खबर पढ़ते ही उन्होंने घोषणा कर दी कि उस बच्चे को वह गोद लेंगी। उन्होंने उस बच्चे को राजभवन बुलाया और उसकी पूरी जिम्मेदारी ली।

द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति चुने जाने से ऐसे तो हर वर्ग में खुशी है, लेकिन आदिवासी समुदाय में खास उत्साह है। संथाल, मुंडा, भील, गोंड, हो, उरांव समेत तमाम जनजातियों में आत्मविश्वास बढ़ेगा। चुनाव प्रचार के दौरान जहां भी द्रौपदी मुर्मू गईं, उनका जोरदार स्वागत हुआ। अगर 2011 की जनगणना को आधार मानें, तो देश में आदिवासियों की आबादी 10.45 करोड़ है। इतनी बड़ी आबादी को हमेशा से लगता रहा है कि उसकी बात कोई नहीं सुनता। ऐसे में मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से आदिवासियों के मन में अपेक्षाएं भी काफी जगी हैं। इस समुदाय की समस्याओं के संदर्भ में देखें तो मुख्य अपेक्षाएं समझा जा सकती हैं।

-आदिवासी समुदाय के सामने जल, जंगल और जमीन के मुद्दे प्रमुख हैं, जिनसे उनका जीवन जुड़ा है। वे मानते हैं कि प्राकृतिक संसाधनों पर उनका पहला हक है। लेकिन सच यह है कि सबसे पहले अगर किसी को विस्थापित किया जाता है तो वे आदिवासी ही हैं।

-औद्योगिक विकास और बांध आदि से जुड़े प्रॉजेक्ट्स के लिए आदिवासियों की जमीन ले ली जाती है लेकिन पुनर्वास ढंग से नहीं किया जाता। सरकार ने आदिवासियों के लिए इस संबंध में कानून बनाए हैं, लेकिन उनका लाभ आदिवासी समाज को मिल नहीं पाता।

-एक बड़ा मुद्दा है सरना धर्म कोड का। देश के आदिवासी अपने लिए एक अलग सरना धर्म कोड की मांग कर रहे हैं। यह मामला काफी समय से लंबित है। उनकी उम्मीद होगी कि अब इस पर पॉजिटिव फैसला होगा।

-आदिवासियों की जमीन बचाने के लिए कई राज्यों में कानून तो बने हैं (झारखंड में सीएनटी और एसपीटी एक्ट) हैं, लेकिन ऐसे कानून की धज्जियां उड़ती रही हैं और आदिवासियों की जमीन पर दूसरे लोग कब्जा करते रहे हैं। अब आदिवासी समुदाय यह अपेक्षा करेगा कि इन कानूनों को कड़ाई से लागू किया जाए।

-पेसा कानून को पूर्णतः लागू करने की भी बात उठेगी। संविधान की पांचवीं और छठी अनुसूची को कड़ाई से लागू करवाने की भी मांग आदिवासी समुदाय करेगा। इसकी अभी तक अवहेलना होती रही है।

-सच यह है कि वनाधिकार कानून तो बना है, लेकिन पूर्णतः लागू नहीं हुआ है। वन और वन उपज पर आदिवासियों के अधिकार को लेकर भी टकराहट होती रही है।

-आदिवासियों की जमीन के नीचे अरबों के खनिज हैं। इस वजह से भी उनकी जमीन ले ली जाती है और वे अपनी उसी जमीन पर मजदूरी करते हैं, खनन कार्य करते हैं। उस जमीन के मालिक नहीं रह जाते। ऐसे मामलों पर गंभीरता से संज्ञान लेने की अपेक्षा भी आदिवासी समुदाय करेगा।

द्रौपदी मुर्मू के अब तक के कार्य इस समुदाय की उम्मीदों का सबसे बड़ा आधार हैं। कुछ साल पहले जब वह झारखंड की राज्यपाल थीं, तब वहां जमीन संबंधी एक विधेयक लाया गया था। इस पर विवाद भी हुआ था। अंततः मुर्मू ने उस विधेयक को राज्य सरकार को वापस कर दिया था। बहरहाल, चुनौतियां तो रहेंगी ही, लेकिन पक्ष में यह बात है कि वर्तमान केंद्र सरकार की प्राथमिकता में आदिवासी हैं। नरेंद्र मोदी की सरकार में आदिवासियों को सम्मान दिलाने का बड़ा प्रयास हुआ है। द्रौपदी मुर्मू के शीर्ष पद पर रहने से इस तरह की समस्याएं सुलझाने में मदद जरूर मिलेगी।

अस्वीकरणः ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

अनुज कुमार सिन्हा

चित्रकूट के घाट से

सकुचउं तात कहत एक बाता

श्री भरत की दुःख-भरी वाणी ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि वे राघवेन्द्र को शीघ्र-से-शीघ्र लौटाने का उपाय सोचने लगे और तब उन्होंने एक विचित्र निर्णय किया- सकुचउं तात कहत एक बाता। अरध तजहिं बुध सरबस जाता। तुम्ह कानन गवनहु दोउ भाई। फेरिअहिं लखन सीय रघुराई। समस्या का यह हल व्यावहारिक नहीं कहा जा सकता। क्योंकि इसके लिए भरत जी की स्वीकृति के साथ श्री कौशलेन्द्र की स्वीकृति भी अपेक्षित थी। श्री राम द्वारा यह प्रस्ताव स्वीकृति होने की आशा स्वप्न में भी नहीं की जा सकती। 'भरत शत्रुघ्न वन जाएं और मैं राज्य करूं'। ऐसी बात प्रभु कैसे स्वीकार कर सकते हैं। फिर विवेकी महर्षि ने ऐसा क्यों कहा? क्या परीक्षा के लिए? मुझे यह विश्वास है कि श्री भरत स्वभाव से थोड़ा भी परिचित व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि वे इस प्रस्ताव से घबड़ा जाएगा। उनका त्याग-वैराग्य इतना महान् और स्पष्ट है कि उनके सम्बन्ध में साधारण व्यक्ति भी यह धारणा नहीं बना सकता, फिर वशिष्ठ जी की तो बात ही दूसरी है। तब इस प्रस्ताव को हम एक स्वाभाविक घटना के रूप में ले सकते हैं। महर्षि इस प्रकार का उत्तर पाने को प्रस्तुत न थे। शीघ्रता में कोई सफल उपाय नहीं सूझ पा रहा है। साथ ही उन्हे राम के लौटने का पूर्ण विश्वास भी नहीं है, अतः वे जान-बूझ कर ऐसा प्रस्ताव रखते हैं जो उलझनदार हो। उन्होंने सोचा होगा, ऐसा प्रस्ताव करने पर मैं इस दोष से मुक्त हो जाऊंगा कि महर्षि राम को लौटाने के पक्ष में नहीं हैं। साथ ही उन्हें यह भी विश्वास है कि भरत के प्रस्ताव स्वीकार कर लेने पर भी प्रभु इसे स्वीकार नहीं करेंगे। अतः इस प्रस्ताव का केवल एक ही अर्थ है कि महर्षि की ओर से अपनी सफाई। किन्तु प्रेममूर्ति श्री भरत और शत्रुघ्न तो इस कल्पना से ही हर्ष-विभोर हो गये कि कोई ऐसा उपाय निकल आया, जिससे राघवेन्द्र वन से लौट सकते हैं।

- पूज्यपाद पं. रामकिंकरजी महाराज

सुप्रीम कोर्ट ने धूम्रपान की उम्र बढ़ाकर 21 करने वाली याचिका खारिज की, इन जगहों पर बेचने पर लगी रोक

नयी दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को धूम्रपान करने की उम्र सीमा 18 से बढ़ाकर 21 साल करने के लिए दिशानिर्देश देने का अनुरोध करने वाली एक याचिका को खारिज कर दिया। इस याचिका में शिक्षा और अस्पताल से जुड़े संस्थानों और प्रार्थना स्थलों के पास खुदरा सिगरेट की बिक्री पर पाबंदी लगाने का भी अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति सुधांशू धुलिया की पीठ ने दो अधिवक्ताओं की ओर से दायर इस याचिका को खारिज कर दिया। याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने कहा, ''यदि आप प्रचार चाहते हैं, तो अच्छे केस पर बहस करिये, प्रचार हित याचिका नहीं दायर करें।'' शीर्ष अदालत उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसे दिशानिर्देश देने का अनुरोध करते हुए अधिवक्ता शुभम अवस्थी और सप्त ऋषि मिश्रा की ओर से दायर किया गया था। याचिका में वाणिज्यिक स्थलों से धूम्रपान क्षेत्र को हटाने का भी अनुरोध किया गया था।

बालिकाओं के गर्भवती होने के मामलों में बढ़ोतरी से हाई कोर्ट ने जताई चिंता, कहा- यौन शिक्षा पर दोबारा करे विचार

कोच्चि। बालिकाओं के गर्भवती होने के मामलों में वृद्धि पर चिंता जताते हुए केरल उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑनलाइन माध्यम से आसानी से उपलब्ध अश्लील सामग्री के कारण युवाओं को गलत चीजें प्राप्त होती हैं इसलिए उन्हें इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के बारे में बताना जरूरी है। अदालत ने कहा कि समय आ गया है कि 卐हमारे स्कूलों में दी जा रही यौन शिक्षा पर दोबारा विचार किये जाए।卐 न्यायमूर्ति वी जी अरुण ने 13 वर्षीय लड़की के गर्भपात की अनुमति देते हुए यह बातें कहीं। इस मामले में लड़की को उसके नाबालिग भाई ने गर्भवती कर दिया था। न्यायमूर्ति अरुण ने कहा, 卐इस मामले पर फैसला सुनाने से पहले, मैं बालिकाओं के गर्भवती होने के मामलों में वृद्धि पर चिंता व्यक्त करना चाहता हूं जिनमें कुछ मामलों में नजदीकी रिश्तेदार शामिल होते हैं। मेरे विचार में, समय आ गया है कि हमारे स्कूलों में दी जा रही यौन शिक्षा पर दोबारा विचार किया जाए।卐 उन्होंने कहा, ''इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध अश्लील सामग्री के कारण युवाओं के दिमाग पर गलत असर पड़ सकता है। हमारे बच्चों को इंटरनेट और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में बताना बेहद जरूरी है।

सिब्बल ने ईडी की सोनिया गांधी से पूछताछ पर कहा, प्रतिशोध की राजनीति निचले स्तर पर पहुंच गयी है

नयी दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को पूछताछ के लिए बुलाए जाने के साथ ही ''प्रतिशोध की राजनीति निचले स्तर पर पहुंच गयी है।'' उन्होंने यह भी कहा कि सभी जांच एजेंसी को नेताओं को प्रताड़ित करने और उनकी छवि बिगाड़ने के लिए सरकार का प्रभावी अस्त्र माना जा रहा है। पूर्व कांग्रेस नेता सिब्बल ने कहा, ''ईडी द्वारा सोनिया गांधी को पूछताछ के लिए बुलाए जाने के साथ ही प्रतिशोध की राजनीति निचले स्तर पर पहुंच गयी है।'' सिब्बल ने हाल में कांग्रेस छोड़ दी थी और वह निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। गौरतलब है कि ईडी ने नेशनल हेराल्ड अखबार से संबंधित धन शोधन के एक मामले में बृहस्पतिवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से दो घंटे तक पूछताछ की थी।

फरीदाबाद में एक युवक की गला रेतकर हत्या, हिंदू संगठन ने लगाया सड़क पर जाम

फरीदाबाद हरियाणा के फरीदाबाद में एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। इस हत्या का बाद इलाके में तनाव फैल गया। हिंदू संगठन सड़क पर उतर आए। सड़क जाम करके न्याय की मांग की। हिंदू संगठनों ने कहा कि जब तक आरोपी कमाल कुरैशी समेत अन्य को गिरफ्तार नहीं किया जाता वे अपना प्रदर्शन जारी रखने वाले हैं। प्रदर्शन के चलते कई किलोमीटर लंबा जाम लग लगा। देवेंद्र के जीजा आरएसएस से जुड़े हैं जिसके कारण मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नगला गांव के रहने वाले देवेंद्र (35) वेल्डिंग का काम करता था। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात को देवेन्द्र को तीन युवकों ने घर के बाहर मिलने के लिए बुलाया। जैसे ही देवेंद्र बाहर निकला धारदार हथियार से उसका गला काट कर हमलावर मौके से फरार हो गए थे। देवेंद्र को अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। क्राइम ब्रांच की टीम आरोपी की तलाश में जुट गई है। बजरंग दल के नेता अशोक बाबू ने आरोप लगाया कि देवेंद्र को जिहादियों ने मारा है। उन्होंने कहा कि नूह में डीएसपी को कुचलकर मार दिया गया। हरियाणा में अपराध बढ़ रहा है। हिंदुओं के गले काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक आरोपियों का एनकाउंटर नहीं होता, हिंदू संगठन धरने से नहीं उठने वाले हैं।

रवि किशन लोकसभा में लाएंगे जनसंख्या नियंत्रण बिल, बोले- विश्व गुरु बनने के लिए ये जरूरी

नई दिल्ली । संसद के चल रहे मानसून सत्र में शुक्रवार को सदन की कार्यवाही के दौरान भाजपा सांसद रवि किशन आज लोकसभा में जनसंख्या नियंत्रण पर निजी सदस्यों का विधेयक पेश किया। ज्ञात हो कि राज्यसभा में बीजेपी सांसद राकेश सिन्हा ने भी जनसंख्या नियंत्रण पर इसी तरह के बिल के लिए नोटिस दिया है। सदन में जाने से पहले भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा, 'हम विश्व गुरु तभी बन सकते हैं जब जनसंख्या नियंत्रण विधेयक लाया जाए। जनसंख्या को नियंत्रण में लाने के लिए बहुत जरूरी है, जिस तरह से यह बढ़ रही है, हम विस्फोट की ओर बढ़ रहे हैं। मैं विपक्ष से अनुरोध करता हूं कि मुझे विधेयक पेश करने दें और सुनें कि मैं चर्चा क्यों करना चाहता हूं।' इसके अलावा उन्होंने कहा, 'यह विकास का बिल है, जिस दिन यह पारित होगा, राष्ट्र विश्व गुरु बनने की ओर उठ जाएगा। मैं इस बिल को सिर्फ विकास के पहलू से देख रहा हूं न कि जाति या धर्म के पहलू से देख रहा हूं।' ज्ञात हो कि हाल ही में संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक रिपोर्ट जारी की गई है। रिपोर्ट में भारत के अगले साल दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकल जाने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में गत दिनों यह जानकारी दी गई। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या प्रखंड के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग द्वारा 'विश्व जनसंख्या संभावना 2022' में कहा गया कि वैश्विक जनसंख्या 15 नवंबर, 2022 को आठ अरब तक पहुंचने का अनुमान है। एक मंत्री के अलावा किसी अन्य लोकसभा व राज्यसभा सदस्य द्वारा पेश किए गए विधेयक को एक निजी सदस्य के बिल के रूप में जाना जाता है और सरकार के समर्थन के बिना इसके कानून बनने की बहुत कम संभावना है। पीआरएस विधान के अनुसार, 1970 के बाद से संसद द्वारा कोई भी निजी सदस्य विधेयक पारित नहीं किया गया है।

पश्चिम बंगाल- दुर्गापुर में नौजवान कर रहे कंडोम से विचित्र नशा

कोलकाता । नशे की लत हर हाल में हानिकारक होती है पर पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर शहर में युवक एक विचित्र नशे का सेवन कर रहे है। जी हां कंडोम का नशा। वैसे तो कंडोम असुरक्षित यौन संबंधों से बचाने के काम आता है, लेकिन यहां के युवक इसका इस्तेमाल मादक पदार्थ की तरह कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में शहर में कंडोम की बिक्री में भारी इजाफा हुआ है। कई दुकानों पर तो स्टॉक आने के कुछ ही घंटे बाद खत्म हो जा रहा है। नशे के लिए कंडोम के इस्तेमाल से शहर में हर कोई हैरान है। युवाओं में इस नई लत से प्रशासन की भी चिंता बढ़ रही है। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों में दुर्गापुर के विभिन्न इलाकों जैसे दुर्गापुर सिटी सेंटर, बिधाननगर, बेनाचिती और मुचिपारा, सी जोन, ए जोन में फ्लेवर्ड कंडोम की बिक्री में भारी वृद्धि हुई है। अचानक इस बढ़ोतरी से हैरान एक स्थानीय दुकानदार ने अपने यहां से बार-बार कंडोम खरीद रहे एक युवक से इसकी वजह पूछी। तो उसने हैरान करने वाला जवाब दिया कि वह नशे के लिए इन्हें खरीदता है। दुर्गापुर के एक मेडिकल स्टोर संचालक ने बताया कि पहले रोजाना कंडोम के 3 से 4 पैकेट ही बिकते थे लेकिन अब पूरे के पूरे पैक बिक रहे हैं। ये युवक कंडोम का नशे के लिए किस तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, इसकी जानकारी देते हुए दुर्गापुर के मंडल अस्पताल में काम करने वाले धीमान मंडल ने बताया कि कंडोम में कुछ सुगंधित यौगिक होते हैं। अल्कोहल बनाने के दौरान ये टूट जाते हैं। ये लत लगाने वाले होते हैं। इनसे नशा जैसा महसूस होता है।

द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से आदिवासी समाज में जश्न का माहौल, अर्जुन मुंडा ने कही यह बड़ी बात

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ऐतिहासिक जीत से जनजातीय समाज में बेहद उत्साह का माहौल है। द्रौपदी मुर्मू आदिवासी समाज से आती हैं और यही कारण है कि उस समाज में द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने की खबर से सब में खुशी देखी जा रही है। भाजपा की ओर से भी इस मौके को पूरी तरह से भुनाने की कोशिश की जा रही है। आज भाजपा की ओर से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि देश का समस्त आदिवासी समाज आज गौरवान्वित महसूस कर रहा है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी की दूरदर्शी सोच के साथ देश लगातार नये और ऐतिहासिक फैसले ले रहा है। उन्होंने कहा कि हम सबके लिए सौभाग्य की बात है कि एक आदिवासी समाज की महिला भारत के राष्ट्रपति पद पर आसीन होने जा रही हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि आजादी के लंबे कालखंड के बाद भारत का जनजातीय समाज नए अवसरों के साथ आगे बढ़ रहा है। यदि हम आजादी के अमृत महोत्सव के इस वर्ष को देखें तो यह हम सभी देशवासियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जनजातीय समाज के लिए ऐतिहासिक लक्ष्य और उपलब्धि को प्राप्त करने की एक नई यात्रा प्रारंभ हुई है। उन्होंने कहा कि आज एक आदिवासी समाज की महिला राष्ट्रपति पद पर आसीन होने जा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ पिछले 8 वर्षों में जनजातीय परिपेक्ष में कई विकासात्मक कार्य हुए हैं। ये समस्त जनजातीय समाज को उत्साहित करने वाला है। इसके साथ ही अर्जुन मुंडा ने यह भी कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपनी आहुति देने वाले भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिवस को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने लिया है।

भाजपा नेता ने कहा कि 2014 के बाद से मोदी सरकार के फैसलों के माध्यम से आदिवासी समाज के लोगों तक विकासात्मक कार्यक्रमों को पहुंचाया गया है। विशेषकर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और संवैधानिक प्रावधान के आधार पर कई कार्यक्रम लोगों तक पहुंचाए गए हैं। वहीं, भाजपा एसटी मोर्चा अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा कि आजाद भारत में पहली बार एक ऐतिहासिक क्षण आया है, पहली बार ऐसा निर्णय लिया गया और निर्णय के बाद हमारे देश के जनजातीय समाज की बेटी आदरणीय द्रौपदी मुर्मू जी देश के सर्वोच्च स्थान पर पदस्थापित हुई हैं। इस मौके पर भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. हीना गवित ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने जब 2014 में शपथ ली थी तो उन्होंने पहले वाक्य कहा था कि मेरी सरकार गरीब, शोषित, वंचित, पीड़ित, आदिवासियों और दलितों के लिए समर्पित है। यह केवल उन्होंने कहा ही नहीं बल्कि यह करके भी दिखाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशवासियों से अपील, 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच सभी अपने घरों पर फहराएं तिरंगा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने-अपने घरों में राष्ट्रध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा' मुहिम को मजबूत करने की शुक्रवार को अपील की। मोदी ने ट्वीट के जरिए कहा कि यह मुहिम तिरंगे के साथ हमारे जुड़ाव को गहरा करेगी। उन्होंने उल्लेख किया कि 22 जुलाई, 1947 को ही तिरंगे को राष्ट्रध्वज के रूप में अपनाया गया था। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम आज उन सभी लोगों के साहस और प्रयासों को याद करते हैं, जिन्होंने उस समय स्वतंत्र भारत के लिए एक ध्वज का स्वप्न देखा था, जब हम औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ रहे थे। हम उनके सपने को पूरा करने और उनके सपनों के भारत का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इस साल, जब हम 'आजादी का अमृत' महोत्सव मना रहे हैं, तो आइए 'हर घर तिरंगा' आंदोलन को मजबूत करें। तेरह अगस्त से 15 अगस्त के बीच अपने घरों में तिरंगा फहराएं या प्रदर्शित करें। यह मुहिम राष्ट्रध्वज के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करेगी।''मोदी ने तिरंगे को राष्ट्रध्वज के रूप में अपनाने संबंधी आधिकारिक संवाद की जानकारी भी ट्विटर पर साझा की। उन्होंने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा फहराए गए पहले तिरंगे की तस्वीर भी ट्वीट की। सरकार ने भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर 'हर घर तिरंगा' मुहिम शुरू करने की योजना बनाई है।

महंगाई और जीएसटी पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

लोकसभा में कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने महंगाई, जीएसटी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर शुक्रवार को भारी शोर-शराबा किया जिसके कारण कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद सोमवार अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। मॉनसून सत्र के पहले सप्ताह में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बाधित रही है। शुक्रवार को दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे जब सदन की कार्यवाही आरंभ हुई तो सदन में विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी जारी रही। शोर-शराबे के बीच ही पीठासीन सभापति राजेंद्र अग्रवाल ने 'भारतीय अंटार्कटिक विधेयक, 2022' पर चर्चा आरंभ करवाई।

संक्षिप्त चर्चा और पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह के जवाब के बाद विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी दी गई। सदन में हंगामा जारी रहने के बीच अग्रवाल ने अपराह्न करीब दो बजकर 35 मिनट पर सदन की कार्यवाही सोमवार अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। आज सुबह बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच ही प्रश्नकाल शुरू कराया। इस दौरान कुछ सदस्यों ने पूरक प्रश्न पूछे और विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रीजीजू ने जवाब दिये। इस बीच, विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए अध्यक्ष के आसन के समीप आ गए। उनके हाथों में तख्तियां थीं जिन पर एलपीजी सहित जरूरी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि, कई वस्तुओं पर जीएसटी की दरें बढ़ाये जाने जैसे मुद्दों का उल्लेख किया गया था। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपने स्थान पर जाने की अपील करते हुए कहा कि ''आप सभी को बात रखने की इजाजत दूंगा लेकिन प्रश्नकाल चलन दें और इसमें हिस्सा लें।'' उन्होंने कहा, ''मेरा काम व्यवस्था के साथ सदन चलाना है। मैं सदन चलाना चाहता हूं, देश की जनता चाहती है कि सदन चले। मैं अपसे आग्रह करता हूं कि आप अपने स्थान पर जाएं।'' बिरला ने कहा कि आज मछुआरों से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न है, आप (विपक्षी सदस्य) इस महत्वपूर्ण विषय पर प्रश्न पूछें। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि नारेबाजी करना है तब संसद से बाहर करें, सदन में जनता से जुड़े विषयों को उठायें। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार पहले ही कह चुकी है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण स्वस्थ हो जायेंगी तब इस विषय (महंगाई) पर चर्चा कराई जाएगी, तब तक आप शून्यकाल में इस विषय को उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष प्रश्नकाल भी नहीं चलने दे रहा है, चर्चा भी नहीं कर रहा है और विधेयक भी पारित नहीं होने देना चाहता है। जोशी ने कहा, ''यह किस तरह का व्यवहार है? हम इसकी निंदा करते हैं।''

दल-बदल विरोधी कानून में संशोधन की फिलहाल जरूरत नहीं : रिजीजू

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा को सूचित किया कि दल-बदल विरोधी कानून के प्रावधान समय और कई न्यायिक जांच की कसौटी पर खरे उतरे हैं और फिलहाल इसमें संशोधन करने की कोई आवश्यकता नहीं है। रिजीजू ने एक सवाल के लिखित जवाब में यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या दलबदल विरोधी कानून अपने मौजूदा स्वरूप में दलबदल को रोकने के लिए पर्याप्त है? मंत्री ने कहा, ''चूंकि, दसवीं अनुसूची (जिसे दलबदल विरोधी कानून कहा जाता है) के प्रावधानसमय और कई न्यायिक जांच की कसौटी पर खरे उतरे हैं अतः फिलहाल इसमें संशोधन करने की कोई आवश्यकता नहीं है।'' एक अन्य सवाल में पूछा गया कि क्या अदालतों द्वारा दलबदल विरोधी कानून की अलग-अलग व्याख्याएं की गई हैं? इस पर रीजिजू ने कहा कि किहोतो होलोहोन बनाम जाचिल्हू मामले में उच्चतम न्यायालय की सात सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने दसवीं अनुसूची के सातवें पैराग्राफ को छोड़ कर पूरे प्रावधानों को बरकरार रखा था। सातवां पैराग्राफ स्पीकर या विधायिकाओं के अध्यक्षों के निर्णयों की न्यायिकता से संबंधित है। उन्होंने कहा ''हालांकि, कुछ अदालतों ने अतीत में प्रावधानों की जांच की है, लेकिन संशोधन के लिए कोई विशेष निर्देश नहीं दिया गया है।

रानी लक्ष्मीबाई मार्शल आर्ट्स एकेडमी में हुआ कलर बेल्ट एग्जाम व विशेष कराटे प्रशिक्षण

मरुधर हिन्द/दीक्षित कुमार

अलवर। रानी लक्ष्मीबाई मार्शल आर्ट्स एकैडमी के तत्वधान में दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर एवं कलर बेल्ट टेस्ट का आयोजन एकेडमी की प्रथम ब्रांच एनईबी शाखा में किया गया।

एकेडमी की संस्थापक मैडम पायल सैनी ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण देने हेतु प्रदीप वर्मा राजस्थान स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी द्वारा प्रशिक्षण में नवीन तकनीक की जानकारी सभी खिलाड़ियों को आत्मरक्षा के नए दांव पेच सिखाएं और प्रतियोगिता में होने वाले खेलों के लिए नए गुर सिखाए गए। सभी खिलाड़ियों को एक-एक करके कराटे के बारे में अच्छी जानकारी दी गई । आज के इस प्रशिक्षण शिविर में करीब 100 खिलाड़ियों ने कलर बेल्ट परीक्षा में भाग लिया, जिसमें करीब 85 खिलाड़ी उत्तीर्ण रहे और येलो, ऑरेंज, ग्रीन, ब्राउन बेल्ट प्रशिक्षण उत्तीर्ण कर प्राप्त की। आज विशेष प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन प्रातः 10:00 बजे मुख्य अतिथि विश्राम गुर्जर जी चेयरमैन अलवर सरस डेयरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिहान प्रदीप वर्मा जी द्वारा की गई। समारोह में विशेष अतिथि के रूप में बास्केटबॉल कोच पंडित गोपाल नारायण शर्मा मौजूद रहे। अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया गया। एकैडमी के संस्थापक पायल सैनी और कोच दीपक सैनी ने माला पहनाकर अतिथियों का आदर सम्मान किया । मुख्य अतिथि विश्राम गुर्जर द्वारा अपने उद्बोधन मे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साथ ही सरस दूध के बारे में बताते हुए दूध की गुणवत्ता व दूध के महत्व को समझाया व सभी को सरस का दूध पीने की सलाह भी दी। सरस डेयरी अलवर की ओर से सभी खिलाड़ियों को मीठी व नमकीन छाछ भी उपलब्ध कराई गई ।

जयपुर की विद्याधर नगर में पापड़श्वर महादेव मंदिर पर प्रशासन और वन विभाग के द्वारा पूजा अर्चना के रोक पर भारी बवाल

मरूधर हिन्द/महावीर सिंह

जयपुर राजस्थान के विद्याधर नगर निश्चित पापड़ के बालाजी के पीछे पापड़श्वर महादेव मंदिर जो करीब 800 साल से भी ज्यादा पुराना मंदिर है जो अभी वनविभाग के अंतर्गत आता है कुछ समय से राजस्थान सरकार को तुष्टीकरण नीति के तहत पापडेश्वर महादेव मंदिर में सावन महीने में भक्तों को इस मंदिर में पूजा करने की अनुमति नहीं मिली है । वन विभाग के अधिकारियों का कहना है , कि यह मंदिर वन विभाग में आता है और आदेश है कि किसी भी व्यक्ति को इस मंदिर में पूजा करने के लिये नही जाने दिया जाना चाहिए । हिंदू समाज की विभिन्न संस्थाओं ने इस बात का विरोध करते हुए आज हनुमान चालीसा का पाठ कर के इसमें नाराजगी जताई राजस्थान सरकार के द्वारा विभिन्न धार्मिक संस्थाओं को कई तरह के प्रोत्साहन मिल रहे हैं पर हिंदू समाज के मंदिरों के प्रति राजस्थान सरकार और देवस्थान मंत्रालय के द्वारा किसी तरह का कोई प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है साथ ही जो सामाजिक संस्थाएं इन मंदिरों के उत्थान के प्रति सजग हैं उनको भी हिन्दू मंदिरों को प्रति रोक ओर परेशान किया जा रहा हैं । कई गणमान्य लोगों का इसके प्रति विरोध जागृत हुआ और सभी लोगों ने आज पापड़ ईश्वर महादेव मंदिर पर हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए इस बात का विरोध किया कि इन मंदिरों को ही जो कई सालों से यहां जागृत है उन को बंद किया जा रहा है । लोगों बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया कई सौ की तादाद में यहां लोग आए जबकि सुबह से बारिश का माहौल था मूसलाधार बारिश के बीच में लोग वहां पहुंचे । हनुमान चालीसा के पाठ में भाग लिया ओर पापड़ ईश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की ओर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की । इसमे मुख्य रूप से विक्रम सिंह शाहपुरा, रतन कानूनगो, सुनील गुप्ता, राकेश अग्रवाल, सुधीर गुप्ता,आलोक मीडी, गोपाल खंडेलवाल,पृथ्वी सोनी, मनोजगोयल , योगेश शर्मा ,प्रवीण सैनी,चंद्रेश गोयल, , प्रदीप तिवाड़ी, गणेश सिंह नाथावत, ईश्वर सिंह , हरिओम चौहान,अरविंद शर्मा के साथ में सोवो की तादाद में भक्तगण व विभिन्न हिंदू सामाजिक संस्थाओं का समागम रहा।

विशेषज्ञों ने दी ऑर्थोपेडिक से जुड़ी विस्तृत जानकारी

जीवन रेखा हॉस्पिटल की ओर से आयोजित हुई ऑर्थो फीजियो समिट-2

ऑर्थोपेडिक के कई विषयों पर हुए फीजियोथेरेपिस्ट विशेषज्ञों के सेशन

मरूधर हिंद

जयपुर। हड्डी रोगों और ट्रॉमा केसों में होने वाली हड्डी की चोटों से जुड़े कई विषयों पर फीजियोथेरेपिस्ट विशेषज्ञों ने ऑर्थोपेडिक सुपर स्पेलिस्ट एक्स्पर्ट्स से जानकारी हासिल की। मौका था जीवन रेखा हॉस्पिटल द्वारा आयोजित हुए ऑर्थो फीजियो समिट -2 का जिसमें जयपुर सहित अन्य शहरों से आए फीजियोथेरेपिस्ट विशेषज्ञों ने भाग लिया। हॉस्पिटल के ऑर्थोपेडिक विभाग के एक्सपर्ट्स द्वारा अलग-अलग सेशन में उन्हें हड्डी रोगों में फीजियोथेरेपी के सही इस्तेमाल के बारे में बताया। हॉस्पिटल के सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि सेमिनार में चर्चा की गई कि किस तरह मरीज के उपचार के परिणामों को ऑर्थोपेडिक और फीजियोरेपी एक्सपर्ट्स द्वारा मिलकर बेहतर किया जा सकता है। इस दौरान डॉ. ललित शर्मा व डॉ. ध्रुव तनेजा ने स्पॉन्डिलाइटिस और डॉ. सौरभ माथुर और डॉ. सचिन गोयल ने रोटेटर कफ टियर के कारणों, लक्षणों और मैनेजमेंट पर जानकारी दी। डॉ. विनीत अरोड़ा और डॉ. दीपक राजपुरोहित ने फिंगर इंजरी एवं डॉ. नीरज अग्रवाल और डॉ. साक्षी शर्मा ने टोटल नी रिप्लेसमेंट के बाद जरूरी बातों पर व डॉ. आलोक अग्रवाल और डॉ. मनीष राजपुरोहित ने पोस्ट ऑपरेटिव रीहेबिलिटेशन पर जानकारी दी। डॉ. दीपक खुराना और डॉ. एमडी शर्मा ने पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक और पर जानकारी साझा की। सेमिनार के अंत में भाग लेने वाले सभी फीजियोथेरेपिस्ट विशेषज्ञों को सर्टिफिकेट दिए गए।

ऑनलाइन व ऑफलाइन मोड के साथ तीन स्टेप्स में होगा फॉरएवर मिस, मिसेज व टीन 2022 सीजन 2 का आयोजन

देश में पहली बार ब्यूटी पेजेंट की ओटीटी प्लेटफार्म व ऑफिशियल एप्लीकेशन पर होगी लाइव स्ट्रीमिंग, फैमिली मेंबर्स साथ घर बैठे मॉडल्स की होगी क्राउनिंग

अगस्त में होने वाले सिटी विनर राउंड का ग्रैंड स्टूडियो में होगा आयोजन, लाइव होगा टेलीकास्ट। सितंबर और दिसंबर में जयपुर के फाइव स्टार होटल में होगा शो का आयोजन।

पूरे इंडिया से ओवरऑल 500 से अधिक मॉडल्स के सर पर सजेगा ताज, मिलेगी पेजेंट की लाइफटाइम मेम्बरशिप

जयपुर। राजधानी जयपुर में शनिवार को टोंक रोड स्थित होटल मैरियट में फॉरएवर स्टार इंडिया की ओर से आयोजित होने जा रहे हिंदुस्तान के सबसे बड़े नेशनल लेवल ब्यूटी पेजेंट फॉरएवर मिस, मिसेज व मिस टीन 2022 सीजन 2 की प्रेस कॉन्फ्रेंस व पोस्टर लॉन्च सेरेमनी का आयोजन किया गया। इस दौरान इस पेजेंट के सैश, क्राउन और ट्रॉफी को भी सबके सामने रिवील किया गया। शो आयोजक एस्ट्रो राजेश अग्रवाल ने बताया कि सबसे पहले अगस्त में होने वाले सिटी विनर राउंड का आयोजन एक ग्रैंड स्टूडियो में शूट और आयोजित किया जाएगा जिसको इस शो के ऑफिशियल एप्लीकेशन व ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लाइव दिखाया जाएगा। जिसे इस पेजेंट से जुड़ी हर एक पार्टिसिपेंट्स, मेंबर्स और गेस्ट मेंबर्स कहीं से भी देख सकते हैं। इस राउंड में घर बैठे ही ऑनलाइन तरीके से मॉडल्स की क्राउनिंग की जाएगी, जिसे कोई भी कहीं से भी देख सकता है। यह ब्यूटी पेजेंट सेगमेंट में अपने आप में एक खास प्रयोग है, जो कि देश में पहली बार होने जा रहा है। इसके बाद सितंबर और दिसंबर में जयपुर के फाइव स्टार होटल में लाइव इवेंट का आयोजन कर मॉडल्स की क्राउनिंग सेरेमनी की जाएगी।

सिटी लेवल का फिनाले ऑनलाइन मोड पर 18 से 22 अगस्त, स्टेट लेवल का सेमीफिनाले 16 से 20 सितंबर और नेशनल लेवल का ग्रैंड फिनाले 17 से 22 दिसम्बर को जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

यूक्रेन के स्कूल में रूसी हमले, इमारत से निकाले गए तीन शव, 23 लोग घायल

कीव। पूर्वी यूक्रेन स्थित एक विद्यालय पर रूसी हमले के बाद यूक्रेन के बचाव कर्मियों ने स्कूल की इमारत से तीन शव बरामद किये। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि यूक्रेन के कई हिस्सों में रूसी हमले लगातार जारी हैं। विद्यालय पर हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। वहीं, शुक्रवार को एक समझौता होना है जिससे यूक्रेन अनाज-उर्वरक का निर्यात करने के लिए अपने जहाजों का परिचालन काला सागर से होकर कर सकेगा। हालांकि, इसके अलावा युद्ध से राहत मिलने के कोई अन्य संकेत नहीं मिले हैं। रूस ने इस हफ्ते एक बार फिर दोहराया कि उसकी योजना पूर्वी यूक्रेन से आगे के क्षेत्रों पर भी कब्जा करने की है, जहां डोनबास क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश में रूसी सेना ने कई महीने गुजारे। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि दोनेत्स्क प्रांत के क्रमटोर्स्क में रूसी बमबारी से एक विद्यालय नष्ट हो गया, जबकि 85 अन्य रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा। यूक्रेन की राज्य आपातकाल एजेंसी ने कहा कि इसने बृहस्पतिवार को हमले का निशाना बने विद्यालय में काम पूरा कर दिया है और तीन शव बरामद किये गये। दोनेत्स्क के गवर्नर पाव्लो किरीलेंको ने एक समाचार चैनल को दिये बयान में कहा कि विद्यालयों और अस्पतालों पर रूसी हमला बहुत कष्टकारी हैं, जो शांतिपूर्ण शहरों को बर्बाद करने की उसकी असल मंशा को दर्शाता है। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल इगोर कोनाशेंकोव ने कहा कि रूसी हमले में 300 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गये, जो विद्यालय संख्या-23 के भवन का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक अन्य हमले में माइकोलाइव स्थित औद्योगिक क्षेत्र में स्थित आयुध भंडार को नष्ट कर दिया गया। कोनाशेंकोव ने कहा कि रूसी बलों ने यूक्रोन को अमेरिका से मिले एचआईएमएआरएस मल्टीपल रॉकेट लांचर को भी नष्ट कर दिया।

पाकिस्तान में बिजली कटौती के खिलाफ जमात ए इस्लामी की 'हक दो कराची को' रैली आज

पाकिस्तान में चीन के साथ कई विद्युत परियोजनाओं पर काम होने के बावजूद बिजली का संकट चरम पर है। हालात ये हो गए हैं कि अब कई जगहों पर 16 घंटे की बिजली कटौती जारी है। बिजली दरें काफी बढ़ी हुई है। इसको लेकर जमात ए इस्लामी शुक्रवार को रैली आयोजित करने जा रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तान के कराची में बिजली शुल्क के मुद्दों के समाधान की मांग करते हुए जमात-ए-इस्लामी ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक 卐हक दो कराची को卐 मार्च आयोजित करने की घोषणा की है। मार्च शाम 4 बजे कराची के शाहरा-ए-कायदा में आयोजित किया जाएगा। मार्च की घोषणा जमात-ए-इस्लामी (कराची) के प्रमुख हाफिज नईम-उर-रहमान ने की। विरोध प्रदर्शन में महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और युवा शामिल होंगे। 24 जुलाई से जमात-ए-इस्लामी का हक दो कराची को आंदोलन नए दौर में प्रवेश करेगा। जेआई प्रमुख ने कहा कि वे के-इलेक्ट्रिक द्वारा बिजली बिलों में 6,000 मासिक बिक्री कर की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि वे व्यापारिक समुदाय के साथ हैं और जल्द ही उनके साथ मिलकर भविष्य की कार्रवाई की घोषणा करेंगे। इससे पहले मार्च में हाफिज नईम ने कहा था कि ईद के बाद जेआई मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरना देंगे। जमात-ए-इस्लामी, कराची, अमीर हाफिज नईम-उर-रहमान ने कहा था कि 卐हक दो कराची को卐 रैली ग्रामीण और शहरी सामंतों के खिलाफ कराची के लोगों के वैध और कानूनी अधिकारों के लिए एक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि अगर प्रदर्शनकारी गवर्नर हाउस पहुंचे होते तो पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को यह नहीं सोचना चाहिए कि वहां वे मुख्यमंत्री आवास नहीं पहुंच सकते. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईद के बाद हम सीएम हाउस में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

फेसबुक ने दो अफगानी मीडिया संस्थानों पर लगाई पाबंदी, तालिबान बोला असहिष्णु कार्रवाई

काबुल । अफगानिस्तान के दो सरकारी मीडिया संस्थानों के खातों पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक ने पाबंदी लगाई है। कंपनी ने कहा कि अमेरिका के कानून के तहत तालिबान एक आतंकी संस्था है, ऐसे में उसके द्वारा संचालित किसी भी अकाउंट को वह अपने प्लेटफार्म पर जगह नहीं दे सकते हैं। तालिबान ने पिछले साल अगस्त माह में अफ़गानिस्तान की सत्ता पर काबिज होते ही फेसबुक और ट्विटर का उपयोग करना शुरू कर दिया था। देश के मीडिया संस्थानों, अखबारों और रेडियो पर अपनी पकड़ बनाने के बाद तालिबान इन्हें अपनी छवि सुधारने के लिए उपयोग कर रहा है।

दुनिया के सामने अपने क्रूर शासन को छिपाने के लिए तालिबान सरकारी मीडिया का खूब इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि, फेसबुक ने प्रतिबंधित मीडिया संस्थान की जानकारी नहीं दी है, लेकिन नेशनल रेडियो टेलीविजन अफगानिस्तान (आरटीए) और सरकारी स्वामित्व वाली समाचार एजेंसी ने कहा है कि फेसबुक ने उन्हें ब्लॉक कर दिया है। आरटीए के निदेशक अहमदुल्ला वासिक ने एक वीडियो बयान में कहा कि फेसबुक और इंस्टाग्राम पर संस्थान के अकाउंट को बिना कोई कारण बताये बंद कर दिया गया। उन्होंने नेशनल रेडियो टेलीविजन अफगानिस्तान को देश की आवाज करार दिया है। फेसबुक द्वारा अफ़ग़ानिस्तान की सरकारी मीडिया एजेंसी को प्रतिबंधित किये जाने के बाद तालिबान ने इसे असहिष्णुता का उदाहरण बताया है।

ग्लोबल स्टूडेंट पुरस्कार 2022 की सूची में तीन भारतीय छात्र शामिल

लंदन। वर्ष 2022 के 'ग्लोबल स्टूडेंट' पुरस्कारों की सूची में तीन भारतीयों को स्थान प्राप्त हुआ है। दुनियाभर के डेढ़ सौ देशों के सात हजार आवेदनकर्ताओं में से इन छात्रों का चयन किया गया है। विभिन्न क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ने वाले छात्रों को इस पुरस्कार के तहत हर साल एक लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम दिया जाता है। गोवा स्थित बिरला विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (बिट्स) की 20 वर्षीय छात्रा अनघा राजेश, ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के 22 वर्षीय छात्र ओशिन पुरी और बेंगलुरु की 19 वर्षीय हाई स्कूल की छात्रा श्रेया हेगड़े इस साल के पुरस्कारों की शीर्ष 50 की सूची में शामिल हैं। शिक्षा जगत की कंपनी 'चेग' की गैर लाभकारी इकाई यह पुरस्कार प्रदान करती है।चेग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डान रोजेनस्वैग ने कहा, 'पिछले साल पुरस्कारों की शुरुआत से लेकर ग्लोबल स्टूडेंट पुरस्कार ने दुनियाभर के छात्रों को अपनी कहानी सुनाने, एक दूसरे से संपर्क करने और शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में प्रभावशाली लोगों से मिलना का मौका दिया है।' उन्होंने कहा, 'अनघा, ओशिन और श्रेया जैसे छात्रों को भी अपने अनुभव साझा करने और अपनी आवाज उठाने का अधिकार है। आखिरकार, दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए हमें उनके सपनों, विचारों और रचनात्मकता को महत्व देने की जरूरत है।

दुनिया का पहला मलेरिया रोधी टीका अफ्रीकी देशों में लगाने की तैयारी

ब्लांटायर (मलावी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने तीन अफ्रीकी देशों में दुनिया का पहला अधिकृत मलेरिया रोधी टीका लगाने की घोषणा की है। लेकिन इस टीके के मूल्य को लेकर इसके सबसे बड़े समर्थक बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने चिंता जताते हुए इस टीकाकरण कार्यक्रम को वित्तीय समर्थन नहीं देने का फैसला लिया है। डब्ल्यूएचओ ने इस टीके को मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में एक ऐतिहासिक सफलता करार दिया है, लेकिन बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने इस सप्ताह एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि वह अब इस टीके को वित्तीय समर्थन नहीं देगा। कुछ वैज्ञानिकों ने कहा कि वे फाउंडेशन के इस निर्णय से निराश हैं। उन्होंने आगाह किया कि इससे लाखों अफ्रीकी बच्चों की मलेरिया के कारण मौत हो सकती है। साथ ही यह निर्णय जन स्वास्थ्य में आने वाली समस्याओं को सुलझाने के भविष्य के प्रयासों को कमजोर कर सकता है। ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन (जीएसके) का मॉस्कीरिक्स नामक टीका लगभग 30 प्रतिशत प्रभावी है और इसकी चार खुराक लेनी होती हैं। गेट्स फाउंडेशन के मलेरिया से संबंधित कार्यक्रमों के निदेशक फिलिप वेल्कहॉफ ने कहा कि मलेरिया टीके की प्रभावकारिता जितनी हम चाहते थे, उससे काफी कम है। टीके पर 20 करोड़ डॉलर खर्च करने और इसे बाजार में लाने के लिए कई दशक लगाने के बाद इससे हाथ खींचने के गेट्स फाउंडेशन के फैसले के बारे में विस्तार से बताते हुए वेल्कहॉफ ने कहा कि टीका अपेक्षाकृत महंगा है और इसकी आपूर्ति चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा, यदि हम अपने वर्तमान वित्तपोषण के जरिये ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बचाना चाहते हैं, तो कीमत और प्रभावकारिता महत्व रखती है। वेल्कहॉफ ने कहा कि अफ्रीका में टीकाकरण का समर्थन करने से पीछे हटने का गेट्स फाउंडेशन का निर्णय विस्तृत विचार-विमर्श के बाद वर्षों पहले किया गया था। इस बात पर भी चर्चा की गई थी कि क्या फाउंडेशन का पैसा मलेरिया के अन्य टीकों, उपचारों या उत्पादन क्षमता पर बेहतर ढंग से खर्च किया जा सकता है। लीवरपूल स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन में बायोलॉजिकल साइंस के डीन एलिस्टर क्रेग ने कहा, यह दुनिया का कोई बहुत बड़ा टीका नहीं है, लेकिन इसके इस्तेमाल से बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। क्रेग ने कहा, ऐसा भी नहीं है कि हमारे पास बहुत से अन्य विकल्प मौजूद हैं।

कैपिटल हिल में वोनडूरसका मैथ्यू और सराह मैथ्यू कैपिटल हिल पर हुए हमले के मामले में सदन की कमेटी के सामने गवाही देते हुए।

मरम्मत के बाद जर्मनी और रूस के बीच फिर शुरू हुई गैस आपूर्ति, फिर भी यूरोप भयभीत क्यों?

बर्लिन। यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद से जर्मनी एक डर से आशंकित है दरअसल, रूस और जर्मनी के बीच बंद पड़ी नॉर्ड स्ट्रीम गैस पाइपलाइन को 10 दिन की मरम्मत के बाद फिर शुरू कर दिया गया है। नॉर्ड स्ट्रीम के प्रवक्ता ने बताया कि पाइपलाइन को वापस से शुरू कर दिया गया है। हालांकि, कितनी गैस सप्लाई की जा रही है इसकी जानकारी नहीं दी गई। यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद से जर्मनी को डर है कि रूस गैस की आपूर्ति को रोक सकता है। साथ ही अन्य पश्चिमी देशों को भी यह आशंका है कि यूरोप में रूस गैस को एक हथियार के रूप में प्रयोग कर सकता है। जर्मनी इस समय अपनी ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस पर निर्भर है। ऐसे में रूस द्वारा गैस आपूर्ति रोकने की स्थिति में जर्मनी के ऊर्जा क्षेत्र के ठप्प पड़ने की आशंका है। जर्मनी के शीर्ष नेतृत्व को यह डर सता रहा है कि इस अवसर का इस्तेमाल कर रूस पूरे यूरोप को ऊर्जा संकट में धकेल सकता है। जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ ने बीते हफ्ते मीडिया से बातचीत में कहा था कि रूस जानबूझकर गैस के साथ ही यूक्रेन से आने वाले खाद्य निर्यात को भी रोक रहा है। ईरान की राजधानी तेहरान में हुए एक सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूसी ऊर्जा कंपनी गज़प्रोम अपनी तय आपूर्ति को पूर्ण रूप से जारी रखेगी।

कोलंबो में सेना का मिडनाइट ऑपरेशन, राष्ट्रपति सचिवालय से प्रदर्शनकारियों को हटाया

– श्रीलंकाई सुरक्षा बलों ने कोलंबो में एक सरकार विरोधी विरोध शिविर पर छापा मारा

कोलंबो (एजेंसी)।

देश को नया राष्ट्रपति मिलने के साथ ही श्रीलंका में सरकारी स्थानों पर कब्जा कर चुके सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों को आर्मी ने हटाना शुरू कर दिया है। देर रात सेना ने ऑपरेशन चलाया और कोलंबों में राष्ट्रपति सचिवालय के बाहर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों और सशस्त्र सुरक्षाबलों में झड़प हुई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को हटाने का अभियान शुरू हुआ। श्रीलंकाई सुरक्षा बलों ने शुक्रवार तड़के वाणिज्यिक राजधानी कोलंबो में एक सरकार विरोधी विरोध शिविर पर छापा मारा। साइट के मीडिया फुटेज में असॉल्ट राइफलों से लैस सैनिकों को शिविर को तोड़ने की कोशिश करते हुए दिखाया गया है, जबकि दर्जनों पुलिस बाहर खड़ी दिखाई पड़ी। प्रदर्शनकारियों ने आशंका जताई थी कि नए राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, उनके अपदस्थ पूर्ववर्ती गोटाबाया राजपक्षे के सहयोगी के तहत एक कार्रवाई आसन्न थी। जैसे ही दिन का उजाला हुआ तब तक दर्जनों सैनिकों ने मार्च किया और राष्ट्रपति सचिवालय के सामने से गुजरने वाली मुख्य सड़क के दोनों किनारों पर खड़े विरोध टेंटों की पंक्तियों को हटा दिया गया। विरोध के आयोजकों ने कहा कि सैकड़ों सुरक्षा कर्मियों ने आधी रात के बाद गोटा गो गामा विरोध शिविर को घेर लिया। इस शिविर का नाम दंगाईयों ने राष्ट्रपति का मजाक उड़ाने के लिए रखा था। उन्होंने कहा रानिल विक्रमसिंघे हमें नष्ट करना चाहते हैं, वे फिर से ऐसा कर रहे हैं, लेकिन हम उन्हें उनके मकसद में कामयाब नहीं होने देंगे। हम अपने देश को ऐसी घिनौनी राजनीति से मुक्त बनाना चाहते हैं।

बताया जाता है कि सेना के साथ झड़प में लगभग 50 प्रदर्शनकारी घायल हो गए। जिसमें कुछ पत्रकार भी शामिल हैं जिन्हें सुरक्षा बलों ने पीटा था। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि दो अस्पताल में भर्ती हैं। यह एक व्यवस्थित और पूर्व नियोजित हमला था। उन्होंने वास्तव में लोगों पर बेरहमी से हमला किया। जो हुआ है वह सत्ता का एक बहुत ही गलत प्रदर्शन है। श्रीलंका में रविवार को विक्रमसिंघे द्वारा लगाए गए आपातकाल की स्थिति है, जब वह कार्यवाहक राष्ट्रपति थे। पिछले आपातकालीन नियमों का इस्तेमाल सेना को प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने और गिरफ्तार करने की शक्ति देने और विरोध करने के अधिकार को कम करने के लिए किया गया है।

वैक्सीन की दोनों डोज लेने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन हुए कोरोना पॉजिटिव

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन तमाम ऐहतियाती कदम उठाने के बावजूद कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं और व्हाइट हाउस इसे एक सबक के तौर पर ले रहा है। हालांकि व्हाइट हाउस बाइडन के वायरस से संक्रमित होने के बारे में कुछ भी खुलकर नहीं बता रहा है। व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ रॉन क्लेन ने बृहस्पतिवार दोपहर एमएसएनबीसी से कहा, राष्ट्रपति रोजाना वह सब कुछ करते हैं जो अमेरिका में कोई अन्य व्यक्ति करता है। उन्होंने कोविड से खुद का बचाव करते हुए काम किया। बाइडन ने व्हाइट हाउस की बालकनी से एक वीडियो रिकॉर्ड किया है, जिसमें उन्होंने कहा है, मेरी तबीयत ठीक हो रही है। बहुत काम कर रहा हूं। और इस बीच,मेरी चिंता करने के लिए आप सभी को धन्यवाद देता हूं। विश्वास रखिए। सब ठीक हो जाएगा। बृहस्पतिवार को बाइडन के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी दी गई थी।

इस दौरान बार -बार आश्वासन दिया गया कि राष्ट्रपति कड़ी मेहनत से काम कर रहे हैं और उन्होंने व्हाइट हाउस के आवासीय इलाकों में खुद को पृथक कर लिया है। उनमें जुकाम, सूखी खांसी और थकान जैसे कोविड-19 के बहुत हल्के लक्षण हैं। यह सब कवायद बाइडन के स्वास्थ्य से ध्यान हटाने के प्रशासन के प्रयास का हिस्सा है। व्हाइट हाउस बाइडन के इस विचार को प्रदर्शित करना चाहता है कि अधिकतर अमेरिकी कोविड की चपेट में आने पर बहुत मुश्किलों का सामना किए बिना इससे उबर सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें टीके लगवाने औरखुद को बचाने के लिए अन्य महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरेन जीन-पियरे ने संवाददाता सम्मेलन में कई बार कहा कि व्हाइट हाउस राष्ट्रपति के स्वास्थ्य के बारे में यथासंभव पारदर्शिता बरत रहा है।

दिनेश गुणवर्धने को बनाया गया श्रीलंका का नया प्रधानमंत्री, पीएमओ में लिया शपथग्रहण

कोलंबो। (एजेंसी)।

वरिष्ठ नेता दिनेश गुणवर्धने को शुक्रवार को श्रीलंका का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। श्रीलंका के नए राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल को शपथ दिलाई। गुणवर्धने को अप्रैल में, पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के कार्यकाल के दौरान गृह मंत्री बनाया गया था।

वह विदेश मंत्री और शिक्षा मंत्री के तौर पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। विक्रमसिंघे के राष्ट्रपति बनने के बाद प्रधानमंत्री पद खाली हो गया था। छह बार प्रधानमंत्री रह चुके विक्रमसिंघे ने बृहस्पतिवार को देश के आठवें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ग्रहण की थी। उन्होंने देश के सामने आ रहे अभूतपूर्व आर्थिक संकट को दूर करने के लिए सभी दलों से मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

डब्ल्यूएचओ ने मंकीपाक्स को वैश्विक संकट घोषित करने के लिए हफ्ते में दूसरी बार बुलाई बैठक

लंदन (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपाक्स को वैश्विक संकट घोषित किया जाए या नहीं यह घोषित करने के लिए एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार बैठक बुलाई है। कुछ वैज्ञानिकों ने कहा है कि अफ्रीका और विकसित देशों में संक्रमण फैलने के तरीकों में स्पष्ट अंतर होना किसी समन्वित प्रतिक्रिया को जटिल बना देगा। अफ्रीकी अधिकारियों ने कहा कि वह पहले से ही महाद्वीप की महामारी को आपातकाल मान रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि यूरोप, उत्तरी अमेरिका और अन्य जगह मंकीपॉक्स के मामूली प्रकार की मौजूदगी पर आपातकाल की घोषणा करना गैर जरूरी है, भले ही वायरस पर नियंत्रण नहीं हो सके। अफ्रीका के पश्चिमी और मध्य के कई हिस्सों में मंकीपॉक्स दशकों से मौजूद है, जहां बीमार जंगली पशु कभी-कभी ग्रामीण लोगों को संक्रमित करते हैं। लेकिन यूरोप, उत्तर अमेरिका और अन्य जगहों पर कम से कम मई से समलैंगिक और बाइसेक्सुअल लोगों में यह बीमारी फैली है। अमीर देशों में यह बीमारी यौन संबंध से फैलने की आशंका जताई गई है, खासकर स्पेन और बेल्जियम जैसे देशों में जहां माना जा रहा है कि रेव पार्टियों से इसका प्रसार हुआ है। दुनिया भर में अब मंकीपॉक्स के 15,000 मामले सामने आए हैं, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और अन्य देशों ने लाखों टीके खरीदे हैं, जबकि अफ्रीका को एक भी टीका नहीं मिला है, जहां मंकीपॉक्स का अधिक गंभीर प्रकार पहले ही 70 से अधिक लोगों की जान ले चुका है। ब्रिटेन के ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय में मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. पॉल हंटर ने कहा कि अमीर देशों से अभी तक मंकीपॉक्स से किसी मौत की सूचना नहीं है। लेकिन अफ्रीका में जारी इसका प्रकोप यूरोप और उत्तरी अमेरिका में इसके प्रकोप से लगभग पूरी तरह अलग है। हंटर पहले संक्रामक रोगों पर डब्ल्यूएचओ को सलाह दे चुके हैं। विश्व निकाय संयुक्त राष्ट्र संघ की स्वास्थ्य एजेंसी ने इस सप्ताह कहा कि अफ्रीका के बाहर मिले मंकीपॉक्स के 99 फीसदी मामले पुरुषों से जुड़े हैं, इसमें भी 98 फीसदी मरीज वे पुरुष हैं जिन्होंने किसी पुरुष से यौन संबंध बनाया। हालांकि यह रोग किसी भी उस व्यक्ति को हो सकता है, जो मंकीपॉक्स से संक्रमित रोगी से निकट शारीरिक संपर्क में है। एंग्लिया विश्वविद्यालय में मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. पॉल हंटर ने कहा बहुत सक्रिय समलैंगिक गिरोह में ऐसे पुरुष होते हैं, जो नहीं चाहते कि लोग यह जानें कि वे क्या कर रहे हैं, खुद उन्हें भी नहीं पता होता कि वे किसके साथ यौन संबंध बना रहे हैं। कांगो इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल बायोमेडिकल रिसर्च में वैश्विक स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करने वाले एक विषाणु विशेषज्ञ डॉ. प्लासाइड मबाला ने कहा अफ्रीका और पश्चिम के रोगियों में ध्यान देने योग्य अंतर हैं।

रूस जैसी सैन्य शक्ति के सामने यूक्रेन के डटकर खड़े हो जाने से घबराया चीन, ताइवान प्लान को रिव्यू करने पर हुआ मजबूर

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के विस्तारवादी नीति से पूरी दुनिया वाकिफ है। दुनिया जानती है कि चीन की मंशा ताइवान पर कब्जा करने की है। जिस दिन से रूस ने यूक्रेन पर हमला किया है, उस दिन से चीन की भूख भी ताइवान पर हमला करने की बढ़ गई है। चीन की मंशा पर ही अब अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए की तरफ से बड़ा बयान सामने आया है। सीआईए चीफ बिल बर्न्स ने ने दावा किया है कि यूक्रेन युद्ध का हश्र देख चीन अपने ताइवान प्लान को रिव्यू करने पर मजबूर हो गया है। सीआईए के अनुसार यूक्रेन ने अब तक रूस के 15 हजार से ज्यादा सैनिकों को मारा है और करीब 45 हजार को जख्मी कर दिया है। रूस जैसी सैन्य शक्ति के सामने यूक्रेन के डटकर खड़े हो जाने के कारण चीन भी घबराया हुआ है।

एस्पेन सिक्योरिटी फोरम में उपस्थित हुए सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के निदेशक बिल बर्न्स ने कहा कि चीन ने यूक्रेन में देखा है कि आप जबरदस्त सैन्य ताकत के साथ अचानक त्वरित और निर्णायक जीत हासिल नहीं कर सकते हैं। उन्होंने इस बात की अटकलों को खारिज कर दिया कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस साल के अंत में कम्युनिस्ट पार्टी की अहम बैठक के बाद ताइवान प्लान पर आगे बढ़ सकते हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि मैं स्व-शासित ताइवान पर चीन के विस्तारवादी मंसूबे के राष्ट्रपति शी की नीति को कम नहीं आंकूंगा। सीआईए के डायरेक्टर ने कहा कि चीन को हमला करना है तो नई रणनीति बनानी होगी। सैन्य ताकत से रातों-रात कुछ बदला नहीं जा सकता। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सूचना पर नियंत्रण सबसे ज्यादा जरूरी है। प्रतिबंधों से उबर सके ऐसा इकनोमिक प्लान बनाना होगा।

चीन की मंशा पर ही ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई-6 नेवी दावा किया था।एमआई-6 के प्रमुख रिचर्ड मूर ने कहा कि पश्चिमी देशों का ज्यादा मकसद यूक्रेन में युद्ध जीतने पर रहे क्योंकि चीन की नजर इस जंग पर है। जिसकी आड़ में ड्रैगन अपने ताइवान मिशन को पूरा करने की फिराक में है। ब्रिटिश खुफिया

एजेंसी के प्रमुख ने अमेरिका के कोलोराडो में सीएनएन को दिए इंटरव्यू में यह बयान दिया है। यह पहली मर्तबा है जब विदेशी धरती पर हमें एमआई-6 के प्रमुख ने कोई इंटरव्यू दिया। रिचर्ड मोड़ ने इंटरव्यू में कहा कि पश्चिमी देशों को यह संदेश देने की जरूरत है क्या कर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो उसके गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। मूर ने यह भी कहा कि चीन अमेरिका की ताकत को गलत आंक रहा है।

(श्रावण माह पर विशेष)

शिवलिंग पूजन से करें अशुभताओं को दूर

भगवान शिव को उनके गुणों के आधार पर नीलकंठ, त्रिलोचन, शशांक शेखर, अहि भूषण, रुद्र ,आशुतोष, उमापति, श्मशानवासी एवं असुरारी नामों से पुकारा जाता है। प्रलय जिनकी सहज क्रीड़ा है, जीवन जिसका स्मित वरदान है, वह शूल पाणी शिव नित्य निरपेक्ष एवं सनातन है। ईश्वर है या नहीं यह तथ्य आज भी शोध का विषय है,लेकिन यह भी सत्य है कि ईश्वर अनादि है, अनंत है और अत्यंत व्यापक है। इस मूल धारणा को साकार रूप में हिंदू सनातन धर्म ने शिवलिंग के रूप में समेटा हुआ है। पौराणिक मान्यताएं हैं कि शिवलिंग में त्रि देवों का वास है। एकमात्र शिवलिंग के पूजन से अनंत कोटि देवी देवताओं सहित सकल ब्रह्मांड के प्रति हम अपनी श्रद्धा एवं भावना व्यक्त कर सकते हैं।

शिवलिंग का विज्ञान

पुराणों की माने तो श्रावण माह में समुद्र मन्थन हुआ था।एक ओर अमृत तो दूसरी ओर हलाहल विष जो समूची सृष्टि के विनाश हेतु पर्याप्त था,देवताओं ने अमृत पर अपना अधिकार रख दिया..अंत में सदाशिव ने सृष्टि के संतुलन को बनाये रखने के लिए विषपान कर लिया और वे "नीलकंठ" हो गये।

ये एक कथा मात्र नही है...मूलतः शिव के अतिरिक्त किसी देवता की सामर्थ्य ही नही थी कि वे विष जैसे अवशिष्ट को धारण करके सृष्टि की रक्षा में प्रवर्त हो सकें।

सदाशिव अवशिष्ट पान करते हैं..हमेशा!!

इसके तापों से उन्हें कैलाश ही शीतलता प्रदान कर पाता है,यही कारण है कि शिव कैलाश वासी हैं।

उत्तप्त शिव के तापों के शमन के प्रतीकात्मक रूप में हम उनका जल धाराओं से अभिषेक करते हुए विल्व जैसे शीतल पत्र अर्पित करते हैं।

शिवलिंग प्रतीक है ब्रम्हांड की नियुक्लिअर एनर्जी का,या यूँ कहें तो निराकार ब्रम्हांड के साकार रूप का..सृष्टि के जनन का.. यही कारण है कि शिवलिंग के पूजन से समस्त शक्तियों या कोटिशः देवताओं का पूजन हो जाता है...क्यूंकि इससे आगे कुछ शेष रहता ही नही। शिवलिंग पर बिल्व पत्र , आक, धतूरा एवं भांग जैसे पुष्प पत्रों के चढ़ाए जाने के पीछे यही रहस्य है, कि इनमें न्यूक्लियर एनर्जी को सोखने की जबरदस्त क्षमता होती है।

पुराण कहते हैं की सावन में शिव का कैलाश आगमन होता है .. कारण कुछ भी हो किन्तु श्रावण मास में शिव शांत,सौम्य और मधुर रूप में प्रकट होते हैं।एकादश रुद्रों के स्वामी, भूत भावन का ये स्वरुप विस्मय कारी है।.

भगवान शिव अर्ध चन्द्र धारण करते हैं..उनके त्रि नेत्रों में से दांया नेत्र सूर्य, बांया नेत्र चन्द्र और मध्य नेत्र अग्नि कहा गया है... इसलिए जब सूर्य का संचरण चन्द्र राशी कर्क से सूर्य राशी सिंह के मध्य होता है, तो ये एक मास की अवधि सावन मास की होती है जो शिव को अति प्रिय है।

शास्त्रीय मान्यताएं हैं कि एक बार शिवरात्रि में भगवान शिव ने समूचे ब्रह्मांड को अपने में समाहित कर लिया था। इस पर पार्वती जी चिंतित हो गई। उन्होंने शिव की आराधना की तो शिव ने प्रसन्न होकर वरदान मांगने को कहा। तब पार्वती जी ने कहा था कि प्रभु जो भक्त शिवलिंग के रूप में विशेष तिथियों में आप का निष्ठापूर्वक पूजन करें उसे आप अभय दान प्रदान कीजिए। शिवजी ने पार्वती को यह वरदान दिया।

पौराणिक कथाएं कपोल कल्पनाये मात्र नहीं है, बल्कि सरल एवं सहज भाषा में मूल ज्ञान को आम जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है, इन कथाओं के माध्यम से। यह कथा स्पष्ट करती है कि शिवलिंग अनंत ब्रम्हांड की साकार ऊर्जा का प्रतीक है।

श्रावण में करें शिवलिंग का पूजन

मूर्ति में ही सर्वत्र देवताओ की पूजा होती है, लिंग में नहीं परंतु भगवान शिव की पूजा सब जगह मूर्ति में और लिंग में भी क्यों की जाती है?

एक मात्र भगवान-शिव ही ब्रह्मरूप होने के कारण निष्कल (निराकार) कहे गए है।रूपवान होने के कारण उन्हें "सकल" भी कहा गया है।इसलिए वे सकल और निष्कल दोनों है।

ज्योतिर्विद
राजेश साहनी
9826188606

शिव के निष्कल- निराकार होने के कारण ही उनकी पूजा का आधारभूत लिंग भी निराकार ही प्राप्त हुआ है।अर्थात शिव लिंग शिव के निराकार स्वरुप का प्रतीक है।इसी तरह शिव के सकल या साकार होने के कारण उनकी पूजा का आधार भूत विग्रह साकार प्राप्त होता है अर्थात शिव का साकार विग्रह उनके साकार स्वरूप का प्रतीक होता है।

सकल (समस्त अंग आकार सहित साकार) और अकल (समस्त अंग आकार से सर्वथा रहित निराकार) रूप होने से ही वे ब्रह्म शब्द से कहे जाने वाले परमात्मा है।यही कारण है कि सब लोग लिंग (निराकार) और मूर्ति (साकार) दोनों में ही सदा भगवान शिव की पूजा करते है।

शिव से भिन्न जो दूसरे दूसरे देवता है, वे साक्षात ब्रह्म नहीं है।इसलिए कही भी उनके लिए निराकार लिंग नहीं उपलब्ध होता है। ऐसी परम शक्ति किसी भी देवता के विग्रह में नहीं प्राप्त होती है, जो कि शिवलिंग में प्राप्त होती है। अतः एकमात्र शिव के पूजन से कोटि कोटि देवताओं का पूजन हो जाता है ,तथा शिवलिंग के पूजन मात्र से शिव की कृपा एवं प्रसन्नता प्राप्त होती है।

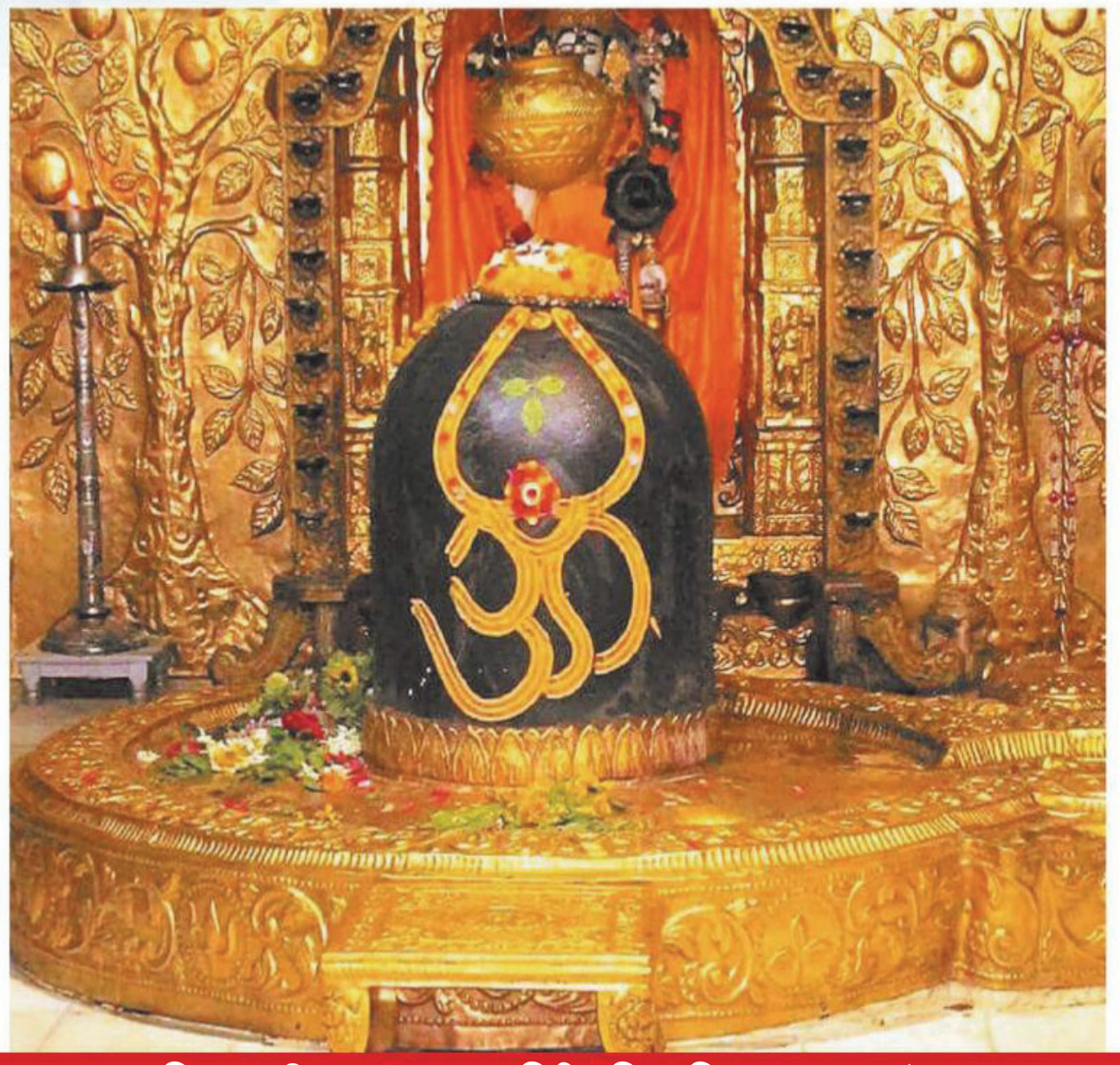

चमत्कारी है शिवलिंग पूजन

श्रावण मास में विविध शिवलिंगों के पूजन का विशेष महत्व बताया गया है। माना गया है कि विशेष प्रकार के इन शिवलिंगों का अलग-अलग माहात्म्य और प्रभाव होता है।

शिव साधकों द्वारा विशेष प्रयोजन को सिद्ध करने के लिए एवं शिव प्रसन्नता हेतु विभिन्न शिवलिंग बनाए जाते हैं-

- चंदन से बने शिवलिंग के रुद्राभिषेक से शिवकृपा प्राप्त होता है।
- पुष्पों से बनाए गए शिवलिंग के पूजन से भू-संपत्ति प्राप्त होती है।
- असाध्य रोग लाभ के लिए मिश्री से बनाए हुए शिवलिंग की पूजा अभिषेक रोग से छुटकारा देती है।
- सुख-शांति की प्राप्ति के लिए चीनी की चाशनी से बने शिवलिंग पूजन का विधान है।
- बांस को शिवलिंग के समान काटकर पूजन करने से वंशवृद्धि होती है।
- दही को कपड़े में बांधकर निचोड़ देने के पश्चात उसमें जो शिवलिंग बनता है उसका पूजन लक्ष्मी और सुख प्रदान करने वाला होता है।
- खेती के लिए गुड़ में अन्न चिपकाकर शिवलिंग बनाकर पूजा करने से कृषि उत्पादन अधिक होता है।
- आंवले को पीसकर बनाए गए शिवलिंग का रुद्राभिषेक कार्य सिद्धि प्रदाता होता है।
- रूप और सौभाग्य के लिए स्त्रियों को मक्खन से बनाए गए शिवलिंग का रुद्राभिषेक करना उचित होता है।
- दूर्वा को शिवलिंगाकार बनाकर उसकी पूजा करने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है
- कपूर से बने शिवलिंग का पूजन भक्ति और मुक्ति देता है।
- स्वर्ण निर्मित शिवलिंग का रुद्राभिषेक समृद्धि करता है।
- चांदी के शिवलिंग का रुद्राभिषेक धन-धान्य बढ़ाता है।
- पीतल के शिवलिंग का रुद्राभिषेक दरिद्रता का दूर करता है।
- पारे से बने शिवलिंग का पूजन सर्व कामप्रद, मोक्षप्रद, शिवस्वरूप बनाने वाला होता है।
- स्फटिक अथवा पारे की अंगुष्ठ प्रमाण के बराबर शिवलिंग की घर में पूजा एवं अभिषेक करने से शिव कृपा प्राप्त होती है साथ ही धन-धान्य एवं सुख समृद्धि में वृद्धि भी।

शिव की प्रसन्नता:पार्थिव शिवलिंग पूजन से

कलयुग में शिवपूजन में पार्थिव लिंग पूजन का विशेष महत्व है। इसका पूजन करने वाले भक्तों पर सदैव शिव कृपा बनी रहती है। इस लोक में यश वैभव प्राप्त करने के साथ ही मृत्यु उपरांत जीवन मरण के चक्कर से मुक्ति पा जाते हैं।

श्रावण मास को शिव का माह माना जाता है, इसलिए इस माह में पार्थिव लिंग बनाकर शिव पूजन का विशेष पुण्य शिवभक्तों को मिलता है। कलयुग में सबसे पहले पार्थिव पूजन कूष्माड ऋषि के पुत्र मंडप ने किया था। प्रभु के आदेश पर जगत के कल्याण के लिए उन्होंने पार्थिव लिंग बनाकर शिव अर्चन किया। शिव अर्चन के दौरान उत्तराभिमुख या पूर्वोभिमुख होकर पूजन करें। रुद्राक्ष धारण कर भस्म लगाए। भस्म नहीं मिलने पर मिट्टी का त्रिपुंड माथे पर लगा सकते हैं। पूजन करने से पहले पार्थिव लिंग का निर्माण करना चाहिए। इसके लिए मिट्टी, गऊ का गोबर, गुड़, मक्खन और भस्म मिलाकर शिवलिंग बनाए। शिवलिंग के निर्माण में इस बात का ध्यान रखें कि यह 12 अंगुल से ऊंचा नहीं हो। इससे अधिक ऊंचा होने पर पार्थिव लिंग पूजन का पुण्य प्राप्त नहीं होता है।

इसे बनाने के बाद ***ॐ शिवाय नमः*** मंत्र से शिवार्चना करनी चाहिए।

भक्तों को मनोकामना पूर्ति के लिए शिवलिंग पर प्रसाद चढ़ाना चाहिए। साथ ही इस बात का ध्यान रहे कि जो प्रसाद शिवलिंग से स्पर्श कर जाए, उसे ग्रहण नहीं करें।

दूध, दही, बूरा, शहद, घी से शिवलिंग पर अभिषेक करें। गंगाजल, चंदन, कमल गट्टे, काले तिल, धूप, जौ, बेल पत्र, भांग, धतूरा, मदार पुष्प, समी पत्र, शिवलिंग पर अर्पण करें। इसके बाद महादेव की आरती करें।

अंत में खीर या श्वेत पदार्थों का प्रसाद चढ़ाएं। पार्थिव शिवलिंग पूजन अपने गृह स्थान में करने से संपूर्ण मनोरथ सिद्ध होते हैं तथा परिवार के सुख सौभाग्य में वृद्धि होती है।

जो लोग भगवान शिव के मंदिर में जाकर पूजन अर्चन नहीं कर सकते है, वे अपने घर में भी पार्थिव शिवलिंग का पूजन करने से अपनी मनोकामना को पूरा कर सकते है। ज्योतिष शास्त्र में यह उल्लेख मिलता है कि पार्थिव शिवलिंग पूजन सामान्य होती है,लेकिन शिवलिंग निर्माण में बहुत अधिक शुद्धता का ध्यान रखने की जरूरत है।

पार्थिव शिवलिंग में किसी और के द्वारा पूर्व निर्मित मूर्ति नहीं बल्कि स्वनिर्मित शिवलिंग का पूजन होता है। पार्थिव शिवलिंग पूजन की परंपराओं का उल्लेख हमारे शास्त्रों में है। नर्मदा नदी के किनारे आज भी शिव आराधना इस प्रकार से की जाती है। पार्थिव पूजन के लिये पेड़ की जड़ के पास की मिट्टी या फिर गंगा, नर्मदा नदियों के तट की मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है।सतह से चार अंगुल नीचे की मिट्टी निकालकर शिवलिंग बनाना चाहिये। विधि विधान के साथ पूजन करने के बाद किसी पवित्र नदी आदि में शिवलिंग को विसर्जित कर सुख समृद्धि के लिये प्रार्थना करना उत्तम होता है।

शिवलिंग घर पर रखना चाहिए या नहीं

अक्सर लोग यह प्रश्न करते हैं कि औघड़दानी एवं श्मशानवासी शिव के पूजन के लिए घर में कौन सा शिवलिंग रखना व प्राण प्रतिष्ठा करनी चाहिए ? उस शिवलिंग की लम्बाई का क्या अनुपात क्या होना चाहिए? शास्त्र सम्मत है कि नर्मदा के कण-कण को शिव स्वरूप माना गया है। पवित्र नर्मदा नदी से निकलने वाला पत्थर (शिवलिंग) नर्मदेश्वर एक प्रकार का शिवलिंग है जो, स्वयंसिद्ध है, इन्हें ही घर में रखना चाहिए। घर में रखने के लिए अंगुष्ट प्रमाण अर्थात अंगूठे के ऊपर वाले पोर के बराबर लम्बाई का शिवलिंग ही एक गृहस्थ घर में रख सकता है । उससे बड़ा घर में रखने का विधान नहीं है, यदि रखा गया है तो दोष होता है । अंगुष्ठ प्रमाण से ऊपर एवं काले शिवलिंग की चल प्राण प्रतिष्ठा की जानी चाहिए, एवं उन्हें केवल मंदिर में ही स्थापित किया जाना चाहिए, घर पर नहीं। इसके अलावा अंगुष्ठ प्रमाण के बराबर पारद अथवा स्फटिक शिवलिंग भी घर में स्थापित किए जा सकते हैं एवं उनका नित्य दूध एवं जल से अभिषेक करते हुये, पंचोपचार पूजन किया जाना चाहिए।

शिव वास देखने का सूत्र

इस लेख के अंतर्गत हम अपने सुधी पाठकों के लिए शिव वास का एक गोपनीय सूत्र उल्लेखित कर रहे हैं। सामान्य तौर पर हम रुद्राभिषेक करते हैं लेकिन कई बार हमें सकाम उद्देश्य की प्राप्ति नहीं होती है। जीवन की विशिष्ट मनोकामनाओ की पूर्ति हेतु रुद्राभिषेक आदि करते समय शिव वास का विचार किया जाना अत्यंत आवश्यक माना गया है। रुद्राभिषेक, शिवार्चन, महामृत्युंजय अनुष्ठान सहित शिव जी के कई अनुष्ठान अचूक होते हैं। उनकी प्रार्थनायें और उजार्यें भगवान शिव तक पहुंचती ही हैं, इनके लिये पहले से पता करलें कि शिव जी उस समय क्या कर रहे हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भोलेनाथ अपने भक्तों की भक्ति से विवश होकर हर समय उनकी प्रार्थनायें पूरी करने में जुटे रहते थे,जिससे ब्रह्मांड के कामकाज प्रभावित होने लगे। देवताओं के समक्ष बड़े संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई। तब भगवान विष्णु ने शिव वास का नियम बनाया, ताकि भोलेनाथ को भक्तों की पुकार सुनने के साथ ही संसार का संचालन करने का भी समय मिल सके।

नारद ऋषि द्वारा रचित शिव वास देखने का फामूर्ला समझ लें,उसके अनुसार शिव वास का विचार करें- शुक्लपक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक तिथियों की कुल संख्या 30 होती है । इस तरह से कोई भी मुहूर्त देखने के लिए 1 से 30 तक की संख्या को ही लेना चाहिए । तिथी च द्विगुणी कृत्वा तामे पञ्च समाजयेत ।। सप्तभि (मुनिभिः) हरेद्भागं शेषे शिव वाससं।।

एक शेषे तू कैलाशे, द्वितीये गौरी सन्निधौ ।।
तृतीये वृष भारुढौ सभायां च चतुर्थके ।।
पंचमे तू क्रीडायां भोजने च षष्टकं ।।
सप्तमे श्मशाने च शिववासः प्रकीर्तितः ।।

अर्थ- तिथि को दुगुना करें,
उसमे पांच को जोड़ देना चाहिए,
कुल योग में, 7 का भाग देने पर, 1.2.3. शेष बचे तो इच्छा पूर्ति होता है, शिववास अच्छा बनता है । बाकि बचे तो हानिकारक होता है, शुभ नहीं है।

इसे इस प्रकार समझना चाहिए ...
1-कैलाश अर्थात = सुख,
2- गौरिसंग = सुख एवं संपत्ति,
3-वृषभारूढ = अभिष्टिसद्धि
4-सभा = सन्ताप,
5-भोजन = पीड़ा,
6-क्रीड़ा = कष्ट,
7-श्मशाने = मरण ।

शिव-वास

- यह ध्यान रहे कि शिव-वास का विचार सकाम अनुष्ठान में ही जरूरी है।निष्काम भाव से की जाने वाली अर्चना कभी भी हो सकती है।
- ज्योतिर्लिंग-क्षेत्र एवं तीर्थस्थान में तथा शिवरात्रि-प्रदोष, सावन के सोमवार आदि पर्वों में शिव-वास का विचार किए बिना भी रुद्राभिषेक किया जा सकता है।
- वस्तुतःशिवलिंग का अभिषेक आशुतोष शिव को शीघ्र प्रसन्न करके साधक को उनका कृपापात्र बना देता है और तब उसकी सारी समस्याएं स्वतःसमाप्त हो जाती हैं।
- कृष्णपक्ष की सप्तमी, चतुर्दशी तथा शुक्लपक्ष की प्रतिपदा, अष्टमी, पूर्णिमा में भगवान महाकाल श्मशान में समाधिस्थ रहते हैं।
- अतएव इन तिथियों में किसी कामना की पूर्ति के लिए किए जाने वाले रुद्राभिषेक में आवाहन करने पर उनकी साधना भंग होती है जिससे अभिषेककर्ता पर विपत्ति आ सकती है।
- कृष्णपक्ष की द्वितीया, नवमी तथा शुक्लपक्ष की तृतीया व दशमी में महादेव देवताओं की सभा में उनकी समस्याएं सुनते हैं। इन तिथियों में सकाम अनुष्ठान करने पर संताप या दुख मिलता है।
- कृष्णपक्ष की तृतीया, दशमी तथा शुक्लपक्ष की चतुर्थी व एकादशी में सदाशिव क्रीडारत रहते हैं।
- इन तिथियों में सकाम रुद्रार्चन संतान को कष्ट प्रदान करते है।
- कृष्णपक्ष की षष्ठी, त्रयोदशी तथा शुक्लपक्ष की सप्तमी व चतुर्दशी में रुद्रदेव भोजन करते हैं।
- इन तिथियों में सांसारिक कामना से किया गया रुद्राभिषेक पीडा देते हैं।

- किसी कामना से किए जाने वाले रुद्राभिषेक में शिव-वास का विचार करने पर अनुष्ठान अवश्य सफल होता है और मनोवांछित फल प्राप्त होता है।
- प्रत्येक मास के कृष्णपक्ष की प्रतिपदा , अष्टमी , अमावस्या तथा शुक्लपक्ष की द्वितीया व नवमी के दिन भगवान शिव माता गौरी के साथ होते हैं, इस तिथि में रुद्राभिषेक करने से सुख-समृद्धि उपलब्ध होती है।
- कृष्णपक्ष की चतुर्थी , एकादशी तथा शुक्लपक्ष की पंचमी व द्वादशी तिथियों में भगवान शंकर कैलास पर्वत पर होते हैं ,और उनकी अनुकंपा से परिवार में आनंद-मंगल होता है। कृष्णपक्ष की पंचमी , द्वादशी तथा शुक्लपक्ष की षष्ठी व त्रयोदशी तिथियों में महादेव नंदी पर सवार होकर संपूर्ण विश्व में भ्रमण करते है,अतःइन तिथियों में रुद्राभिषेक करने पर अभीष्ट सिद्ध होता है।
- कृष्णपक्ष की सप्तमी , चतुर्दशी तथा शुक्लपक्ष की प्रतिपदा, अष्टमी , पूद्गणमा में भगवान महाकाल श्मशान में समाधिस्थ रहते हैं, अतएव इन तिथियों में किसी कामना की पूद्गत के लिए किए जाने वाले रुद्राभिषेक में आवाहन करने पर उनकी साधना भंग होगी,इससे यजमान पर महाविपत्ति आ सकती है।
- कृष्णपक्ष की द्वितीया , नवमी तथा शुक्लपक्ष की तृतीया व दशमी में महादेवजी देवताओं की सभा में उनकी समस्याएं सुनते हैं। इन तिथियों में सकाम अनुष्ठान करने पर संताप (दुख) मिलेगा।कृष्णपक्ष की तृतीया , दशमी तथा शुक्लपक्ष की चतुर्थी व एकादशी में नटराज क्रीडारत रहते हैं।इन तिथियों में सकाम रुद्रार्चन संतान को कष्ट दे सकता है।